कर्नाटक सरकार

परिसर अध्ययन
ENVIRONMENTAL STUDIES

अभ्याससहित पाठ्यपुस्तक
TEXT CUM WORK BOOK
(REVISED)

हिन्दी माध्यम
HINDI MEDIUM
PART - 2



चौथी कक्षा
FOURTH STANDARD

©KTBS
NOT TO BE REPUBLISHED

Karnataka Text Book Society (R.)
6th Cross, Malleshwaram,
Bengaluru - 560 003.

विषय-सूची

M8H6T5

क्र.सं.	पाठ	पपृष्ठ संख्या
13.	हमारा शरीर - अद्‌भुत यंत्र	1 - 11
14.	संचारी नियम	12 - 20
15.	परिवहन और संपर्क	21 - 30
16.	बदलते हुये परिवार	31 - 39
17.	घर - पहली पाठशाला	40 - 45
18.	हर कोई विशेष	46 - 53
19.	वृत्ति-विशेष	54 - 59
20.	त्योहार-तरंग	60 - 67
21.	खो...खो...	68 - 79
22.	सुविधाएँ-सुधार	80 - 85
23.	पोशाक-पहनावा	86 - 92
24.	बादल भैया का संचार	93 - 104
25.	हमारा राज्य-हमारा गौरव	105 - 118

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पाठ 13

हमारा शरीर-अद्‌भुत यंत्र

K3C5I8

इस पाठ के अध्ययन के बाद तुम,

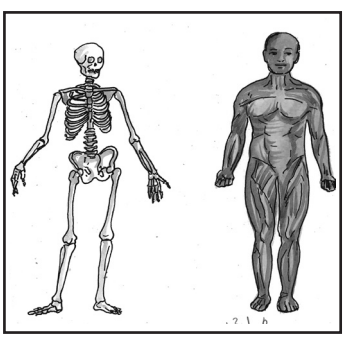
- प्रमुख शारीरिक क्रियाओं तथा उनसे संबन्धित मुख्य अंगो का परिचय पाओगे।
- स्वच्छताका पालन करके इन अंगों की सुरक्षा की जानकारी पाओगे ।
- स्वस्थ रहने के लिए अच्छी आदतों का अभ्यास करोगे।

ज्ञानेन्द्रियों के सम्बन्ध में पिछली कक्षा में जो जानकारी पाई है, उसे याद करो। नीचे ज्ञानेन्द्रियों व उनके कार्यों को बताया गया है। रेखाएँ खीचकर सही उत्तर के साथ जोडो।

अ	आ
आँख	सूंघना ।
कान	स्वाद चखना ।
नाक	वस्तुएँ देखना ।
जीभ	गर्म, ठंड़ा अनुभव करना ।
त्वचा	सुनना।

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

इन सारे अंगों को हम देख सकते हैं । हमारे शरीर के अन्दर भी कुछ अंग है। वे हमें दिखाई नहीं देते । उनके बारें में जानेंगे ।



अपनी त्वचा को देखो। इसके नीचे मांसखण्ड तथा हड्डियाँ हैं, जोतुम्हें दिखाई नहीं देते, त्वचा ने इसे ढ़क रखा है और इनकी रक्षा करता है। हड्डियों और मांसखण्ड़ों ने हमारे शरीर को आकार व रूप दिया है। तुम्हारी शक्ल और आकार तथा तुम्हारे मित्र की शक्ल और आकार में फर्क होता है इस पर ध्यान दो।

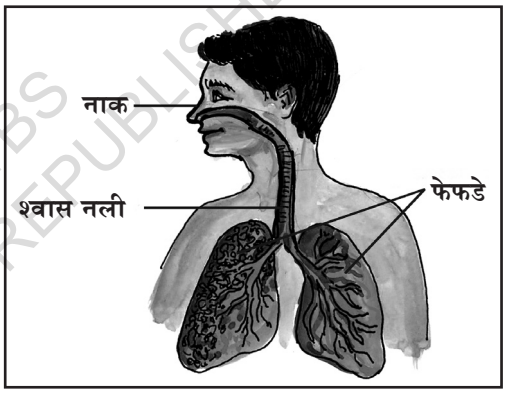
हमारे शरीर में अनेक क्रियाँए चलती रहती है। उदाहरण के लिए श्वसन क्रिया, पाचनक्रिया, रक्त -परिवहन तथा कलुषित पदार्थों का उत्सर्जन । शारीरिक क्रियाएँ हमारे शरीर को सुदृढ, और स्वस्थ बनाए रखती हैं। शरीर के विभिन्न अंगो, और उनके द्वारा होने वाली क्रियाओं की जानकारी पाओ ।

तुम नाक के द्वारा हवा को शरीर के अन्दर ग्रहण करते हो इस बात की तुम्हें जानकारी है।

करो-देखो

अपने हाथ को अपनी छाती पर रखो नाक से धीरे-धीरे हवा अन्दरलो इसी तरह नाक से धीरे धीरे हवा बाहर छोड़ो छाती पर रखे हाथ को कैसा अनुभव होता है?

चित्र को ध्यान से देखो। हवा शरीर के कुछ अंगों द्वारा अन्दर जाती है और इसी तरह बाहर आती है इससे छाती पर रखे हाथ को उतार-चढ़ाव का अनुभव होता है। चित्र में हवा के अन्दर-बाहर जाने के मार्ग तथा अंगों को दिखाया गया है। उनको क्रमानुसार लिखो.



1 _____

2 _____

3 _____

हवा में रहनेवाली **'आक्सीजन'** गैस हमारे शरीर के लिए अत्यावश्यक है। हमारे फेफडे हवा से आक्सीजन लेते है, फेफड़ों में इकट्ठा हुई **कार्बन ड़ाई आक्साइड** जो शरीर के लिए हानिकारक है । वह नाक के द्वारा हवा के रूप में बाहर निकल जाती है।

इस तरह आक्सीजन को ग्रहण करके कार्बन ड़ाई आक्साइड़ को बाहर छोडने की क्रिया को श्वसन कहते हैं ।

© TBS NOT TO BE REPUBLISHED

करो-देखो :

एक मिनट में कितनी बार सांस लेते हो? गिनो।

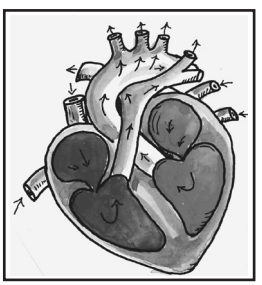
सांस लेने में तकलीफ न हो इसके लिए कुछ अच्छी आदतों का अभ्यास करो। यहाँ कुछ उदाहरण दिए गए है।

पढो समझो :

- नहाते समय नाक को अच्छी तरह साफ करो ।
- सोते समय चेहरा ढ़ककर मत सोओ।
- धूलयुक्त स्थानों पर घूमते समय नाक में धूल मत जाने दो।
- खाना खाते समय या पानी पीते समय जल्दी नही करनी चाहिए अधिक धुँआ रहने वाले स्थान पर मत जाओ । धुँए में साँस लेने से श्वास संबन्धी रोग हो सकते है।
- दिन में कम- से कम एक बार सीधा बैठकर दस बार गहरी सांस लेने की आदत डालो।
- नाक में पेन, पेन्सिल, तीली आादि चीजे मत डालो ।
- मुँह से सांस मत लो ।
- छींकते समय व खांसते समय मुँह पर रुमाल रखो।
- तुम्हें खांसी जुकाम होने पर ऐसा करने से रोगाणुओं को हवा में मिलने से रोक सकते हो जिससे इन रोगों का संक्रमण नहीं होगा।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

रक्त संचार



इस चित्र को पहचान कर नाम लिखो ।

चोट लगने पर शरीर से खून निकलते हुए तुमने देखा है। खून का रंग कैसा होता है? यहाँ लिखो।

शरीर के सभी भागों में रक्त या खून बहता है शायद तुम यह जानते हो । शरीर के सभी भागों को हृदय द्वारा ही रक्त पहुँचता है।

करो-देखो :

अपने उल्टे हाथ की मुट्ठी बनाओ । तुम्हारा हदय (दिल) तुम्हारी मुट्ठी के बराबर होता है।



फेफड़ों के बारे में तुम पहले ही जान चुके हो। दोनों फेफड़ों के बीच में थोड़ा बांयी तरफ हदय है । यह पसलियों के बीच सुरक्षित है।

क्या तुमने देखा है कि पंप की सहायता से लंबे पाइपों द्वारा कुँए का पानी ऊपर की ओर किस तरह बहाया जाता है हदय भी पंप के समान काम करता है। रक्त नलिकाओं द्वारा रक्त शरीर के सभी भागों को पहुँचाता है।

करो-देखो :

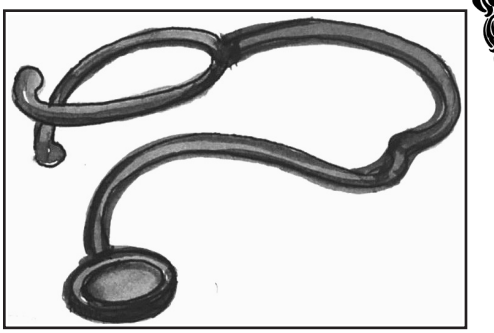
अपने मित्र के छाती पर हाथ रखो। हृदय की धडकन सुनो। जब हृदय रक्त को पंप करता है तो लबडब (धडकन) महसूस होती है।

हमारे शरीर के हर भाग में रक्त-परिवहन होता है। यह शरीर से कार्बनड़ाई आक्साइड लेकर अशुद्ध होता है । इस तरह अशुद्ध रक्त नलिकाओ द्वारा हृदय में जाकर गिरता है।

हृदय से रक्त फेफड़ों में पहुँचता है। वहाँ जाकर रक्त कार्बन डाईआक्साइड को छोडकर आक्जीजन ग्रहण करके शुद्ध रक्त बनता है। आक्सीजन युक्त शुद्ध रक्त हृदय में पहुँचता है और रक्त नलिकाओ द्वारा सारे शरीर को शुद्ध रक्त पहुँचता है। इसी को **रक्त परिवहन** (खून का बहना) कहते है।

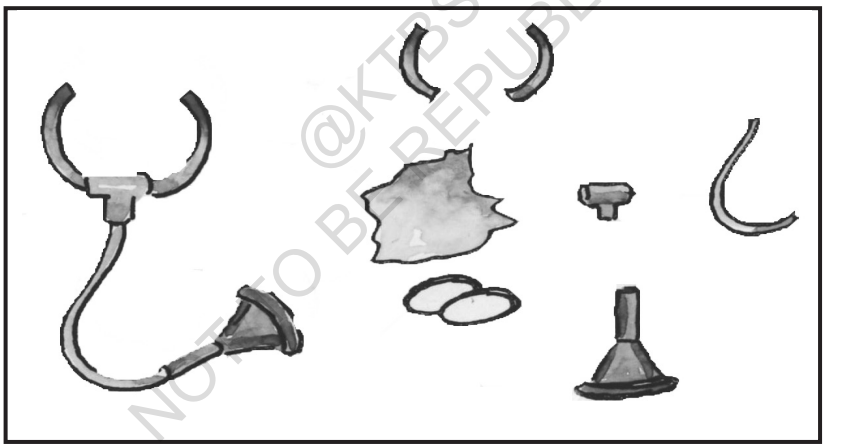
© CBSE NOT TO BE REPUBLISHED

डॉक्टर हृदय की धड़कन का कैसे परीक्षण करते है। क्या तुमने देखा है। डॉक्टरों द्वारा हदय की धडकन मापने वाला उपकरण चित्र में दिखाया गया है। इसे पहचानकर नाम लिखो।



करो-देखो :

तीन प्लास्टिक की नलियाँ, एक T आकार की नली तथा कुप्पी लो। चित्र में दिखाए अनुसार एक प्लास्टिक कागज रबर बैंड लेकर जोड़ो । लो स्टेथेस्कोप तैयार है।



@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

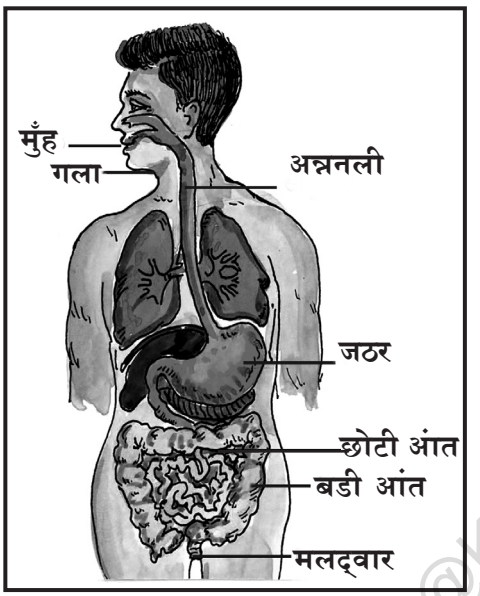
स्टेथेस्कोप की कुप्पी अपने मित्र के दिल पर रखो। दोनों नलियों को अपने कान में रखकर हदय की धड़कन गिनो ।

एक मिनट के समय में दिल कितनी बार धड़कता है। अपने हाथ को छाती पर रखकर गिनो।

तुम्हारे शरीर में रक्त-परिवहन अच्छी तरह से हो। इसके लिए फलों तथा तरकारियों का सेवन नियमित रूप से करना चाहिए। प्रतिदिन व्यायाम करने की आदत ड़ालो।

पाचन क्रिया

तुम प्रतिदिन भोजन करते हो। क्या तुम जानते हो भोजन का क्या होता है? वह कहाँ जाता?



बगल में दिए चित्र पर ध्यान दो तुमने जो खाया वह मुंह के द्वारा एक अंग से दूसरे अंग पहुँचता है ये अंग कौन से है? इनके नाम लिखो।

1.
2.
3.
4.
5.
6.
7.

©KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

अंगो के नाम लिखे हैं न? अपने मुँह के भागों को लिखो।

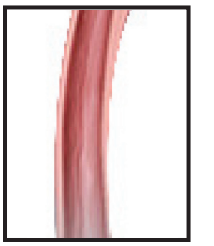
भोजन चबाने मे मुँह के कौन से भाग सहायक है?

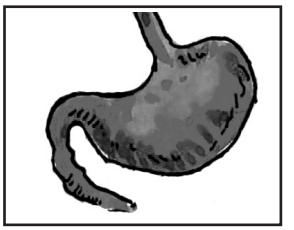
जीभ का क्या काम होता है?



मुंह द्वारा तुमने जो भोजन खाया उसे दाँत से चबाकर छोटे-छोटे कण बनाते है।

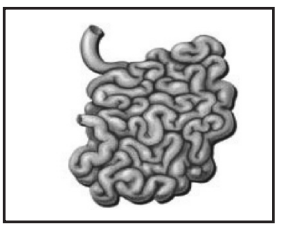
चबाकर नरम हुआ भोजन अन्न नली द्वारा जठर में पहुँचता है।

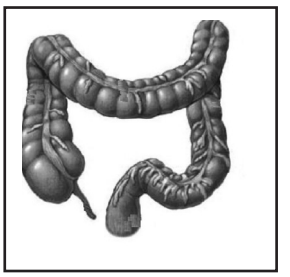




जठर में पहुँचकर खाना काफी कुछ पच जाता है। लगभग तीन घंटे तक खाना जठर में रहता है।

अब छोटी आंत में पहुँचकर खाना पूरी तरह से पचता है। छोटी आंत में खाना पचकर खून में मिल जाता है और रक्त नलियो द्वारापुरे शरीर को पहुँचता है।





अनपचा आहार बडी आंत में पहुँचकर मल के रुप में मलद्वार से बाहर विसर्जित होता है।

आहार का पचकर रक्त में मिलना पाचन क्रिया कहलाता है।

© DTS NOT TO BE REPUBLISHED

खेल-खेलो :

पाचन क्रिया चलने वाले अंगो के नाम लिखकर डिब्बे में डालो।

अपने मित्रों से कहो कि ड़िब्बे से एक-एक चिट निकालें ।

अब उनसे कहो कि चिट में लिखे अंग का कार्य बताएँ ।

खेल को आगे बढ़ाओ आवश्यकता पडने पर शिक्षक की मदद लो।

पढो समझो :

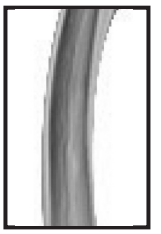
आहार संबन्धी अच्छी आदतें

- खानेसे पहले और खाने के बाद हाथ पैर धोओ।
- सेम, मूली जैसे रेशेदार तरकारी का सेवन करो।
- शुद्ध तथा पौष्टिक आहार का सेवन करो।
- हर बार भोजन करने के बाद मुँह दांत तथा जीभ साफ करो।
- खाना अच्छी तरह चबाकर खाओ।
- हर भोजन के बीच तीन चार घंटे का अन्तर होना अच्छा होता है।

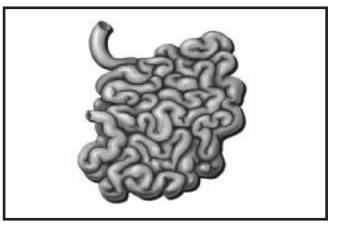
@KTRS NOT TO BE REPUBLISHED

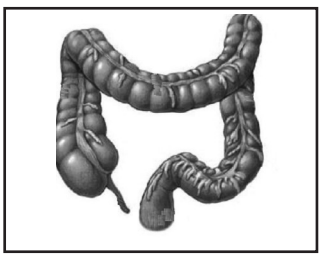
इस चित्र में दिखाए अंग का काम उसके सामने दिए गए खाली जगह में लिखो।











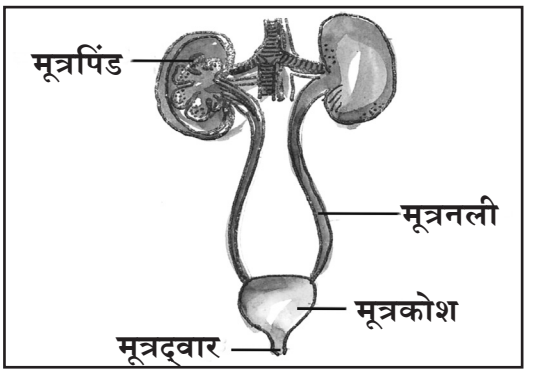
@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

विसर्जन-क्रिया

घर में होने वाले कामों से कूड़ा-करकट उत्पन्न होता है। इस कूडे-करकट को हम प्रतिदिन बाहर फेंकते हैं। इसी तरह हमारे शरीर में भी पाचनक्रिया आदि के समय शरीर के अनेक भागों में अनुपयुक्त पदार्थ उत्पन्न होते हैं। इन्हें वर्ज्य पदार्थ कहते है।

अगर घर के कूड़े करकट को बाहर न फेंका जाए तो बीमारियाँ फैलेंगी यह सोचकर उसे बाहर फेंकते हैं। उसी तरह अगर शरीर में उत्पन्न कलुषित पदार्थ शरीर में ही रह जाएं तो शरीर अस्वस्थ हो सकता है। इसी लिए शरीर अपने अन्दर उत्पन्न होने वाले इन वर्ज्य या कलुषित पदार्थों को त्वचा, फेफड़ों द्वारा बाहर छोड़ता है यह तुम जानते हो।

मूत्र विसर्जन द्वारा भी शरीर कलुषित पदार्थों को विसर्जित (छोड़ता) करता है। इस क्रिया में सहायक विसर्जनांगों की जानकारी प्राप्त करेंगे।



ऊपर के चित्र को ध्यान से देखो। इनके भागों के नाम लिखो।

1) _____

2) _____

3) _____

4) _____

रीढ़ की हड्डी के दोनों ओर एक जोडी मूत्रपिंड है। यह रक्त को छानकर शरीर के लिए अनुपयुक्त पदार्थ को द्रव रूप में इकट्ठा करता है। ये कलुषित पदार्थ मूत्रनलियों द्वारा मूत्रकोश में पहुँचते है, फिर मूत्रद्वार द्वारा शरीर से बाहर निकलते है।

इन प्रश्नों के उत्तर लिखो।

शरीर का कौन सा अंग कार्बन डाई आक्साइड़ का विसर्जन करता है?

_____

कलुषित पदार्थ को पसीने के रूप में बाहर छोडने का काम कौन सा अंग करता है?

_____

कलुषित पदार्थों को द्रव (पानी) के रुप में कौन सा अंग बाहर फेंकता है?

_____

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पढो समझो :

- नियमित रुप से मूत्र विसर्जन करो।
- प्रतिदिन नहाकर साफ कपडे पहनो।
- बार-बार हाथ पैर मुंह धो लेने से पसीने से बाहर निकले कलुषित पदार्थ धुल जाते हैं। त्वचा साफ होकर त्वचा रन्ध्र (छेद) खुल जाते है।
- दिन में दो लीटर पानी पिओ, जिससे पसीना व मूत्र के रुप में कलुषित पदार्थ शरीर से बाहर निकल जाते हैं।

श्वसन, रक्त परिवहन, विसर्जन तथा पाचन क्रिया चलाने वाला हमारा यह शरीर अद्‌भुत यंत्र है यह तुम जान गए हो।

पढो समझो :

- नियमित रूप से मल-मूत्र विसर्जन की आदत ड़ालो।
- प्रतिदिन व्यायाम करो, खेलो और चलने की आदत ड़ालो।
- आहार का उचित रूप से सेवन करो। तली भुनी चीजे व मिठाइयाँ ज्यादा मत खाओ।
- प्रतिदिन नहाकर शरीर स्वच्छ रखो। प्रतिदिन धुले हुए साफ कपडे पहनो।

क्या तुम जानते हो :

- हमारे शरीर मे 206 हड्डियाँ हैं 600 से भी अधिक आस्थिजोड़ है।
- तुम्हारी लंबाई भले ही तीन फुट हो । पर तुम्हारे शरीर के अन्दर रहने वाली अंतडियाँ 21 फुट लंबी होती हैं, वह लिपटी रहती हैं।
- हमारा हृदय (दिल) एक मिनट मे 70 बार धड़कता है। एक दिन में एक लाख बार धड़कता है।
- फेफड़ों में लग भग तीन लीटर हवा भरी रहती है।
- मानव शरीर में करीब 5.5 लीटर खून रहता है।
- एक बार रक्त दान करने के बाद शरीर में फिर से रक्त की उत्पत्ति होती है। इसके लिए 4 से 5 सप्ताह लगते है।

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पाठ 14
संचारी नियम

G9E4B9

इस पाठ के अध्ययन के बाद तुम,

- संचारी संकेत, सुरक्षा नियम और उनके अनुसरण की आवश्यकता को समझोगे ।

रास्ते में चलते समय या वाहनों में चलते समय रास्तों के बगल में तुमने कई फलकों को देखा है। क्या तुम्हें पता है?-उन्हे क्यों लगाया गया है! नीचे की चित्रकथा को पढो.

सविता, फातिमा, नीरज,मेरी और उनके शिक्षक शहर के पैदल रास्तों में खडे है। संचारी पुलिस वाहनों के संचार का नियंत्रण कर रहे हैं।

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED



उतने में दूसरे संचारी पुलिस उनके पास आये । शिक्षक ने उनसे परिचय कर लिया।



उतने मे नीरज ने संकेत दीपो को देखा ।



© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

उतने में संकेत दीप में लाल दीप जला। शिक्षक और बच्चे पार करने वाले रास्ते तक गये।



सभी ने जीब्रा पट्टी द्वारा रास्ता पार किया।



संचारी नियम समझकर बच्चे खुश हुये। पाठशाला की तरफ चल पडे।

© SCERT NOT TO BE REPUBLISHED

चित्र कथा पढ़ी न ? सविता, फातिमा, नीरज और मेरी ने रास्ते के बगल में चिपकाये गए कुछ संकेतों और उनकी सूचनाओं को संचारी पुलिस से पूछकर समझ लिया क्या? अगर तुम भी समझ गए हो तो, इन प्रश्नों का उत्तर दो।

- पैदल चलने वालों को रास्ता कहाँ पार करना चाहिये?

- संकेत दीप में कौन कौन से रंग के दीप है?

- तुम्हारे स्कूल आनेवाले रास्ते में संकेत दीप हैं क्या ?

- रास्ता पार करते समय तुम किन सावधानियों का ध्यान रखते हो?

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

रास्ते के बगल में डालने वाले कुछ संकेतों को और उनकी सूचनाओं को आगे दिया गया है। उनको रेखा खींचकर मिलाओ।

अ	ब
	रास्ते में उभार है तुम्हे वाहन का वेग कम करना चाहिए।
	चौराहा पार करने का रस्ता खुला है या बन्द है, यकीन कर लेने के बाद ही चलना चाहिए।
	बाई तरफ चलना चाहिये
	आगे अस्पताल है। वाहन के वेग को कम कर लेना चाहिये।
	वाहनों को खडा कर सकते है।
	धीमें चलिये।
	जोर से आवाज मत कीजिये।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

हमारे सुरक्षित संचार के लिये बनाए गए नियम ही संचारी नियम हैं। हमारी और वाहनों की सुरक्षा के लिये यहाँ- वहाँ संकतों को और सूचना फलकों को लगाये रहते हैं ।

संचारी नियमों के पालन से होनेवाले दो फायदों को यहाँ लिखो ।

1) _____

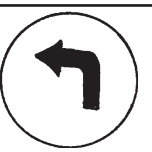
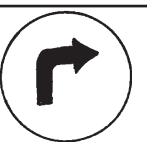
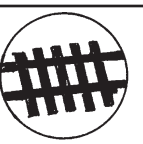
2) _____

नीचे की पट्टी में पैदल राहगीर के अनुसरण के लिए कुछ संचारी नियमों को दिया गया है। सही उत्तरो के आगे (✓) निशान डालो। अगर गलत हो तो उसके सामनेवाली जगह में ठीक उत्तर लिखो।

क्र.सं	संचारी नियम	सही	गलत	ठीक किया हुआ उत्तर
1	रस्ता पार करने के लिए जीब्रा पट्टी को उपयोग करना चाहिए।			
2	संकेत दीप न रहने की जगहों में रास्ते के बायें दायें में वाहनों के आते रहने पर भी रास्ता पार करसकते हैं।			
3	रेलगाडी आते समय रेलवे फाटक को पार कर सकते हैं।			
4	रास्ते के बीच में नही खेलना चाहिये			
5	वाहन के चलते समय चढ सकते है या उतर सकते हैं।			
6	बारी -बारी से पंक्ति में खडे होकर वाहन में चढ़ना चाहिए।			
7	पैदल चलने वाले को रास्ते के दाहिने भाग में चलना चाहिए।			

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

नीचे दिये हुए प्रतीक फलकों को तुम्हारे गाँव में कहाँ-कहाँ डाल सकते है? इस खाली जगह में लिखो एक उदाहरण दिया हुआ है। ध्यान दो।

निशान	डाल सकने की जगह
	मेरे स्कूल के पास डालूँगा ।
	
	
	
	
	
	

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED



पढो समझो :

रास्ते के नियमों का पालन करने पर हम मुसीबत में नहीं पडते। संचारी नियमों का पालन करके दुर्घटनाओं से बच सकते हैं।

घर में और स्कूल में घटित होनेवाली कुछ दुर्घटनाओ के बारें में तुम अब तक समझ चुके हो। उदाहरण के लिए विद्युत उपकरण, और चूल्हा, चाकू, ब्लेड, हसुआ आदि को सावधानी से उपयोग न किया तो खतरे की संभावना है। तुम्हे मालूम रहनेवाली दुर्घटना के संदर्भों को लिखो। इसके लिये ली जानेवाली सावधानियों को लिखो।

क्र.सं	दुर्घटना का संदर्भ	सावधानियाँ
1		
2		
3		
4		
5		

NOT TO BE REPUBLISHED @KTBS

क्या तुम जानते हो ?

- वाहनो के संचार की भीड कम करने, ईंधन बचाने और वायु मलिनता को टालने के लिये बेंगलूर में बस-दिवस मनाया जाता है। **बस-दिवस** पर निजी वाहन रखनेवाले कई लोग मोटार में ही संचार करते हैं।
- हर साल जनवरी महीने मे एक हपते परिवहन संस्थावाले **रास्ता सुरक्षा सप्ताह** मनाते हैं ।
- नगर प्रदेश में परिवहन विभागवाले स्कूली बच्चों को रास्ता संचारी नियमों के बारे में प्रशिक्षण देते हैं।
- सडक दुर्घटना होने पर तुरंत इलाज के लिये हमारे राज्य में 108 संख्यावाला अंबूलेन्स वाहन की मुफ्त व्यवस्था है।

पाठ 15

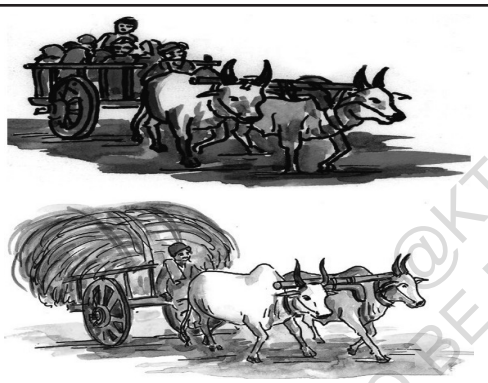
परिवहन और संपर्क

X9I2C5

इस पाठ के अध्ययन के बाद तुम,

- यातायात (परिवहन) में जानवरों के उपयोग को पहचानोगे ।
- जानवरो के प्रति संवेदनात्मक बर्ताव करोगे।
- समय - समय पर बदलाव आए विविध रीति के संपर्क साधनों को पहचानोगे ।

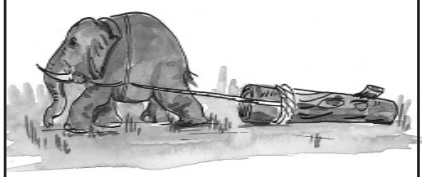
यहाँ दिये हुए चित्रों पर ध्यान दो। यहाँ दिखनेवाली विशेषताओं को लिखो।

@KTBS TO BE REPUBLISHED





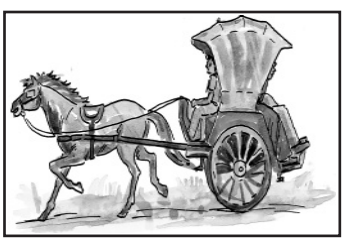


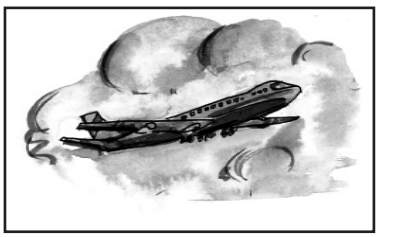
- क्या, तुम्हारे गाँव में जानवरों को यातायात के लिए उपयोग करते हैं?

- कौन-कौन से जानवरों को उपयोग करते हैं?

- उन्हे किस काम में उपयोग करते हैं?

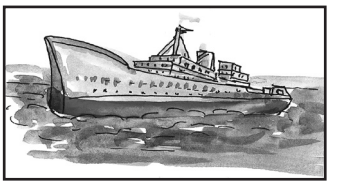
नीचे के चित्रों पर ध्यान दो। संचार में हुए बदलाव को पहचान कर उनकी क्रम संख्या डालो।

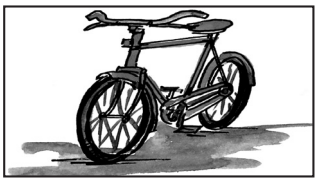


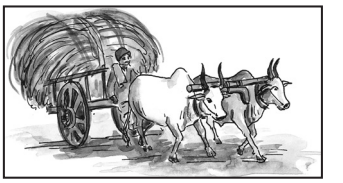


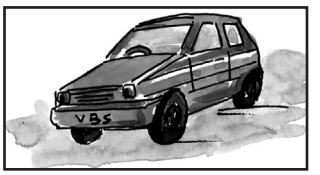
@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED













प्राचीन काल में यातयात में उपयोगित जानवरों के नाम जानकर लिखो।

आजकल यातायात में उपयोग होनेवाले जानवर कौन से हैं? जानकर लिखो।

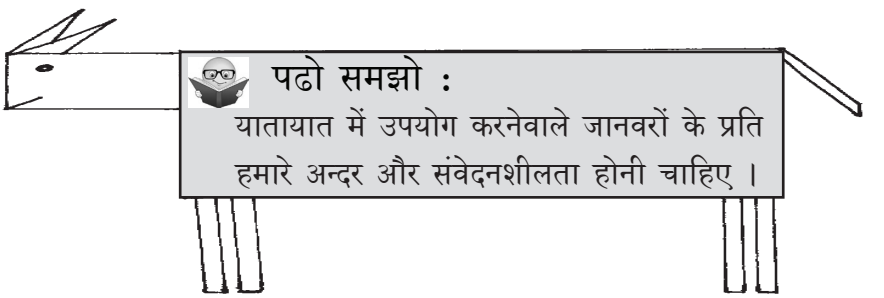
क्या, यातायात मे उन दिनों और आज में जानवरों के उपयोग में अन्तर है? बडों की मदद से लिखो।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

तुम्हारे गाँव में यातयात में उपयोगित जानवरों की देखभाल कैसे करते है? इसके बारे में लिखो।

यातायात में उपयोगित जानवरों की देखभाल कैसे करनी चाहिए-बडों की सहायता से सुनकर लिखो।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

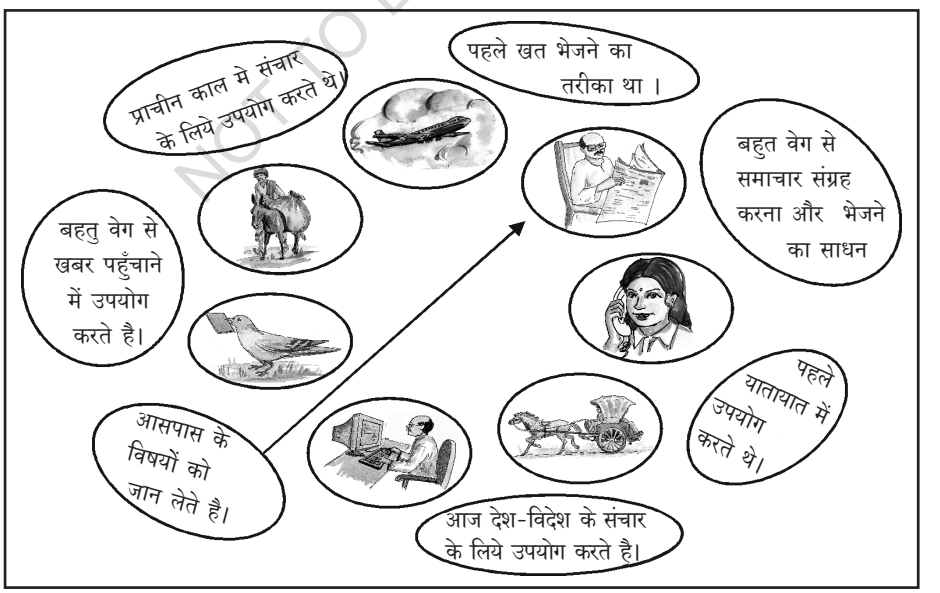


पढो समझो :

यातायात में उपयोग करनेवाले जानवरों के प्रति हमारे अन्दर और संवेदनशीलता होनी चाहिए ।

यातायात में उपयोगित जानवरों के चित्रों को संग्रहित करके यहाँ चिपकाइए या चित्र खींचिये ।

इस चित्र, को ध्यान से देखो। यहाँ दिय हुये विवरणों को पढो। बाद मे मिलाओ। एक उदाहण प्रस्तुत है।



© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED



तुम्हारे गाँव के डाक-घर जाओ । ड़ाकिये से संपर्क करो। नीचे दिये हुये (विषय के बारे में समाचार संग्रहित करके लिखो।

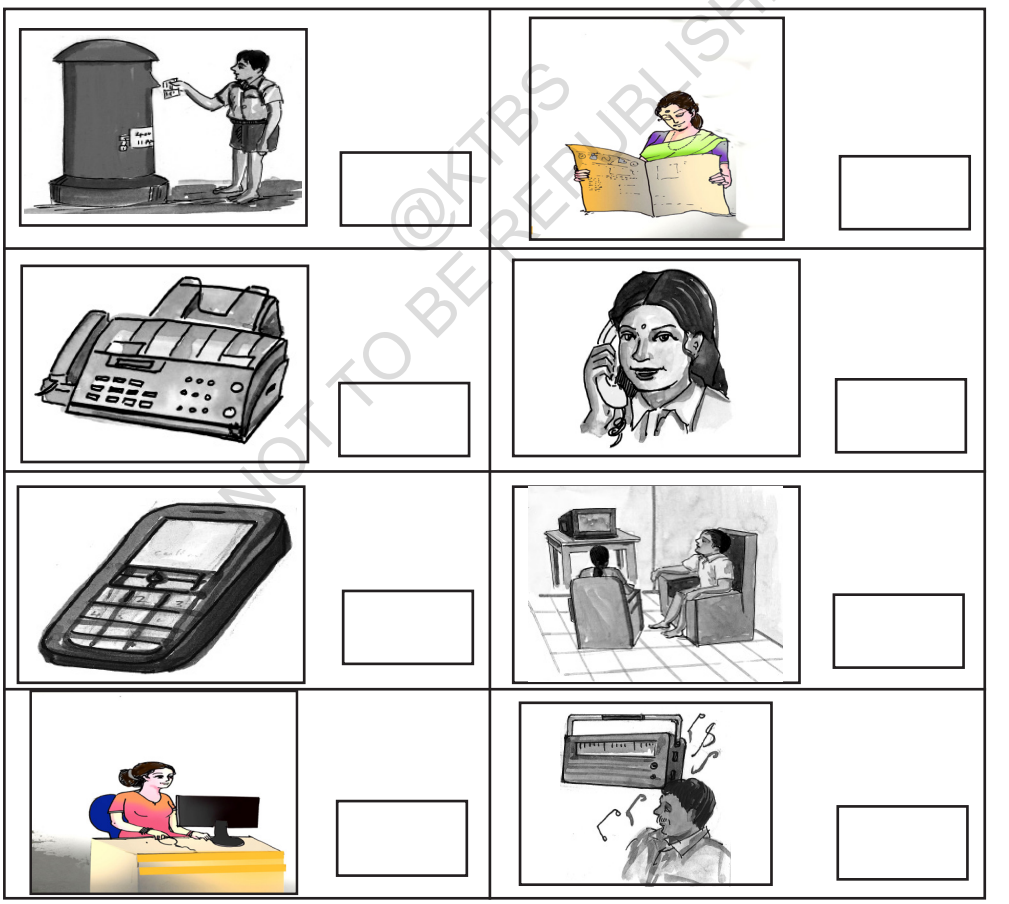
डाक-टिकट	
डाक-पत्र	
पार्सल	
त्वरित डाक	

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

अपने गाँव के मेले के लिए आमंत्रित करते हुए अपना पता बताते हुए तुम्हारे दोस्त को खत लिखकर डाक डिब्बे में डालो।

	सेवा में, _____ _____ _____

यहाँ दिये गये चित्र को ठीक तरह से ध्यान दो । तुम और तुम्हारे घरवाले उपयोग करनेवाले संपर्क साधनों पर (✓) निशान डालो।



@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पिछले जमाने में उपयोगित और आज के जमाने में उपयोग करनेवाले संपर्क साधनो के बारे में बडो से जानकर लिखो।

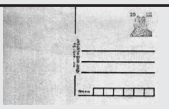
पिछले जमाने में उपयोग किये हुये संपर्क साधन।	**आज के जमाने में उपयोग करनेवाल संपर्क- साधन।**

वया कोई अन्तर है? ध्यान दो ।



पढो समझो :

नीचे का चित्र देखकर विवरणों को पढ़ो

	लिखावट के द्वारा डाक-घर की सहायता से भेजने का संपर्क साधन।
	बहुत दूर रहनेवालों के साथ सीधा बात चीत करने वाला संपर्क साधन।
	देश-विदेश के हर दिन की खबरों को बतानेवाले साधन।
	प्रादेशिक और देश-विदेश की खबरें, मनोरंजन आदि को देखकर, सुनकर समझने में सहायक आकर्षणीय संपर्क साधन।
	मनोरंजन के साथ प्रादेशिक और देश विदेश की खबरों को सुनकर समझने का संपर्क साधन।
	दुनिया के किसी भी समाचार को अति शीघ्रता से पानेवाला या भेजनेवाला अद्‌भुत संपर्क साधन

©KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

विविध संपर्क साधनो के चित्र संग्रह करके, चिपकाओ। हर चित्र के नीचे उसका नाम और उसके बारे में एक-दो पंक्ति-लिखो।

@KTBS
NOT TO BE REPUBLISHED



पढो समझो :

पता लगानेवाले

- रैट भाई - हवाई जहाज
- ग्रहम बेल - दूर वाणी
- चार्ल्स ब्याबेज - गणक यन्त्र
- जॉन बेअर्ड - दूरदर्शन
- मार्कोनी - रेडियो

क्या तुम जानते हो ?

- रेल संचार, भारत का प्रमुख संचार साधन है।
- पहलीबार भारत में एक रेलगाडी 1853 में मुंबई से थाना तक 34 कि मी दूर चली थी।
- ऊँट बालू में संचार के लिये अनुकूल शरीरीक रचना पाई है। इसे रेगिस्तान में संचार मे ज्यादातर उपयोग करते है। इसलिये इसे **रेगिस्तान का जहाज** कहते है।
- समुद्र की गहराई में संचरित होनेवाली नौका जलांतर नौका है ।
- आकाश नौकाओं में पृथ्वी से बाहर जाकर अध्ययन कर सकते है।
- हर रोज आनेवाली पत्रिका-दैनिक सात दिन मे एक बार आनेवाली पत्रिका - साप्ताहिक पत्रिका पन्द्रह दिन में एक बार आनेवाली पत्रिका - पाक्षिक पत्रिका महीने में एक बार आनेवाली पत्रिका - मासिक पत्रिका
- संचार के लिए पहले पहल उपयोगित जानवर-कुत्ता था।
- दुनिया में कुछ रेलगाडियाँ प्रतिघंटा 350 कि.मी से भी आधिक वेग में चलती है। इनमें यात्रा-करके बेगंलूरू से हुब्बल्ली केवल एक घंटे में पहुँच सकते है।

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पाठ 16

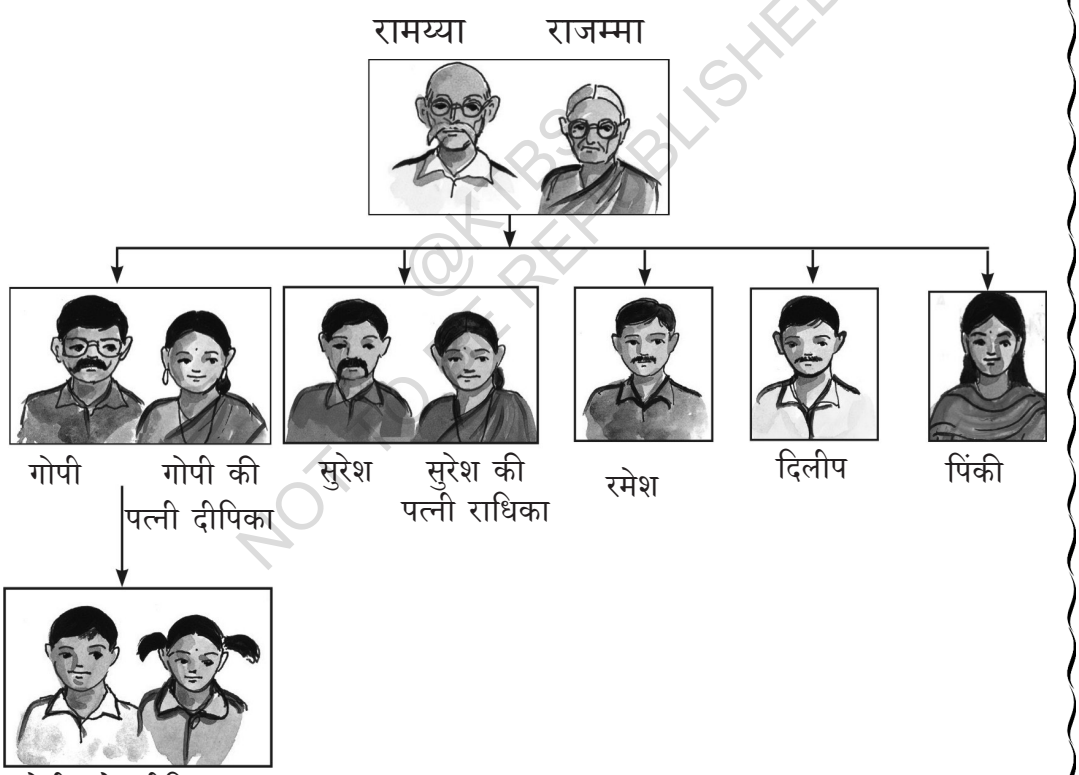
बदलते हुये परिवार

V8T1V8

इस पाठ के अध्ययन के बाद तुम,

- लोगों के मिलजुलकर रहने की व्यवस्था के कालचक्र में हुए बदलाव को पहचानोगे।
- बदलाव को सरल वंश-वृक्ष में दर्शित करोगे।

यह रामय्या और राजम्मा के परिवार का पिछले साल का फोटो है ठीक से ध्यान दो।

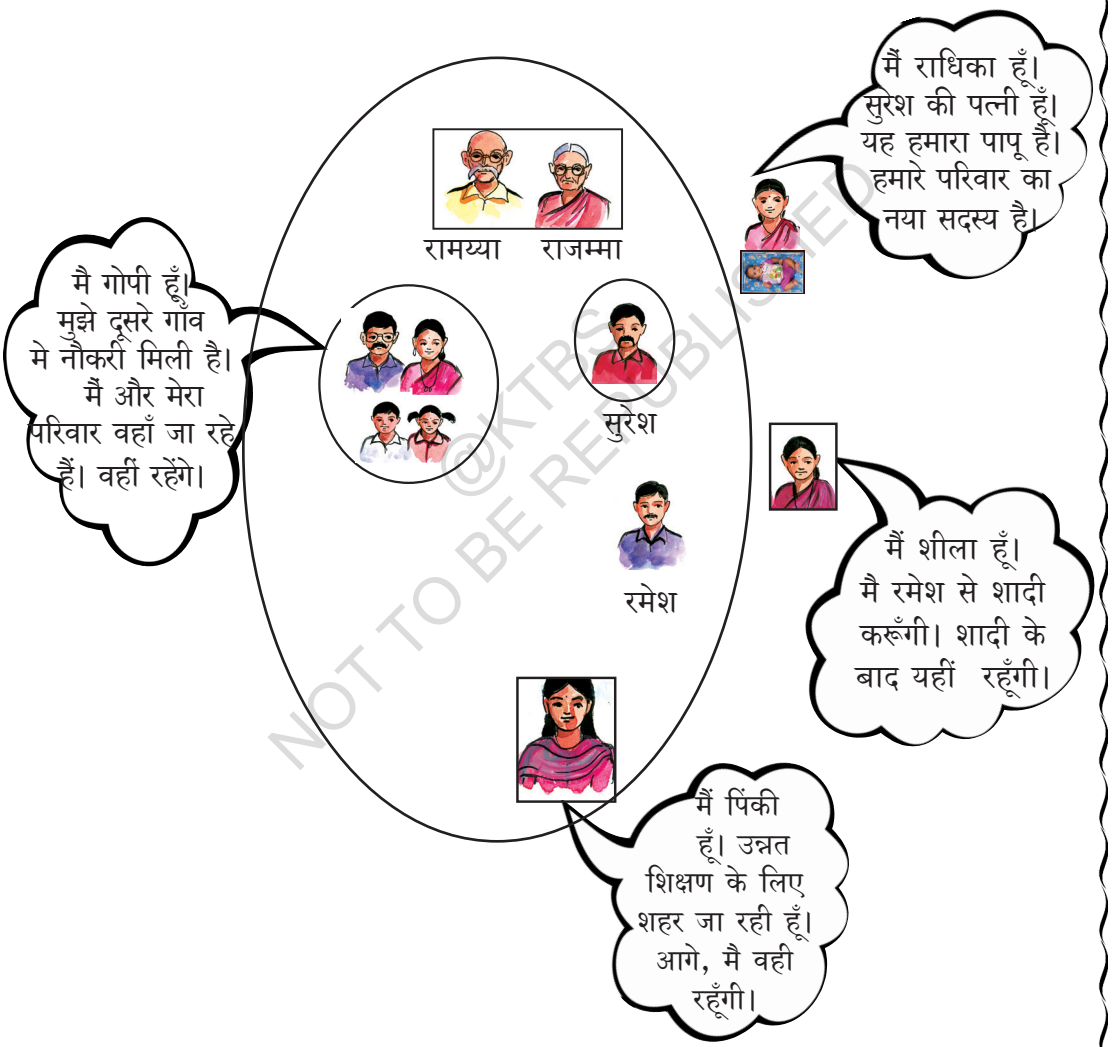


© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

इस परिवार में कितने लोग हैं?

रामय्या के कितने बच्चे हैं? वे कौन-कौन हैं?

गोपी के कितने बच्चे हैं? वे कौन-कौन हैं?



© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

इस वर्ष रामय्या के परिवार में हुए बदलावों पर ध्यान दो।

गोपी का परिवार दूसरे गाँव जाने का कारण क्या है?

पिंकी शहर क्यों जा रही है?

शीला क्यों इस परिवार में आएगी?

सुरेश के परिवार का नया सदस्य कौन है?

रामय्या के परिवार का वंश-वृक्ष लिखो। परिवार से बाहर गये लोगों को गोल लगाओ। आये-हुये लोगो को चौक लिखो। रामय्या के परिवार में हुये बदलावो को पहचानो।

इस वर्ष रामय्या के परिवार के सदस्यो की संख्या कितनी है? क्यों?



पाढो समझो :

परिवार में रहने वाले कुछ लोग कई कारणों से दूसरी जगह जाते हैं। नये सदस्य परिवार में आकर मिलते हैं।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

तुम्हारे परिवार का वंशवृक्ष लिखो।

अगर तुम्हारे परिवार में कोई नया सदस्य शामिल होतो, वंश-वृक्ष में उनको △ निशान करो। उनका विवरण वहाँ लिखो।

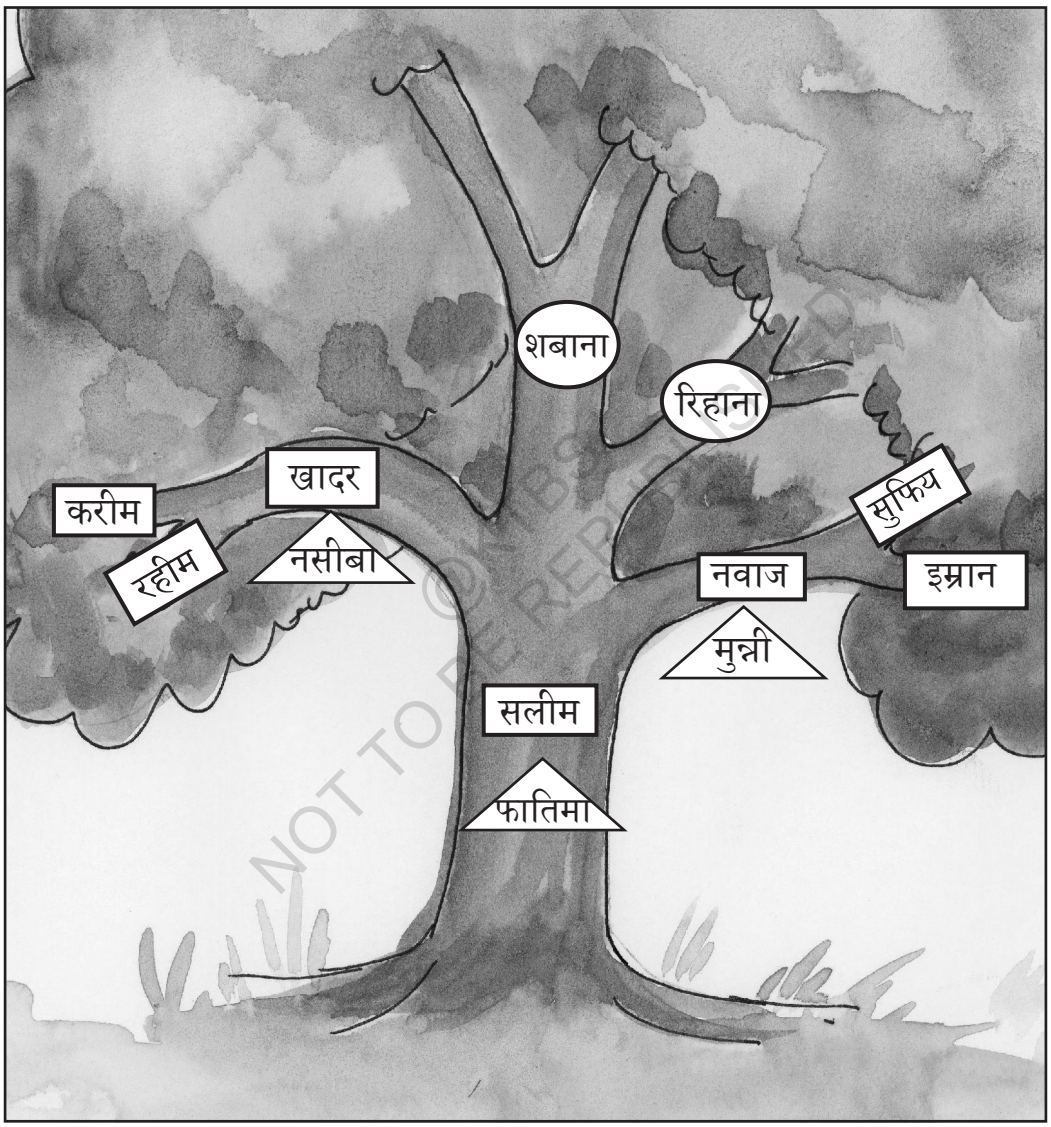
नाम	संबंध	आया हुआ गाँव	आने का कारण

तुम्हारे परिवार से कोई सदस्य दूसरी जगह गये होतो उनको ○ निशान डालो। उनके विवरणों को यहाँ लिखो।

नाम	संबंध	अब रहने का गाँव	दूसरे गाँव जाने का करण

©KTRS NOT TO BE REPUBLISHED

यहाँ दो परिवारों का सरल वंश-वृक्ष दिया है। ○ संकेत इस परिवार में रहनेवाले लोग औ △ का संकेत चिन्ह इस परिवार में आकर शामिल हुए लोगों का है ।

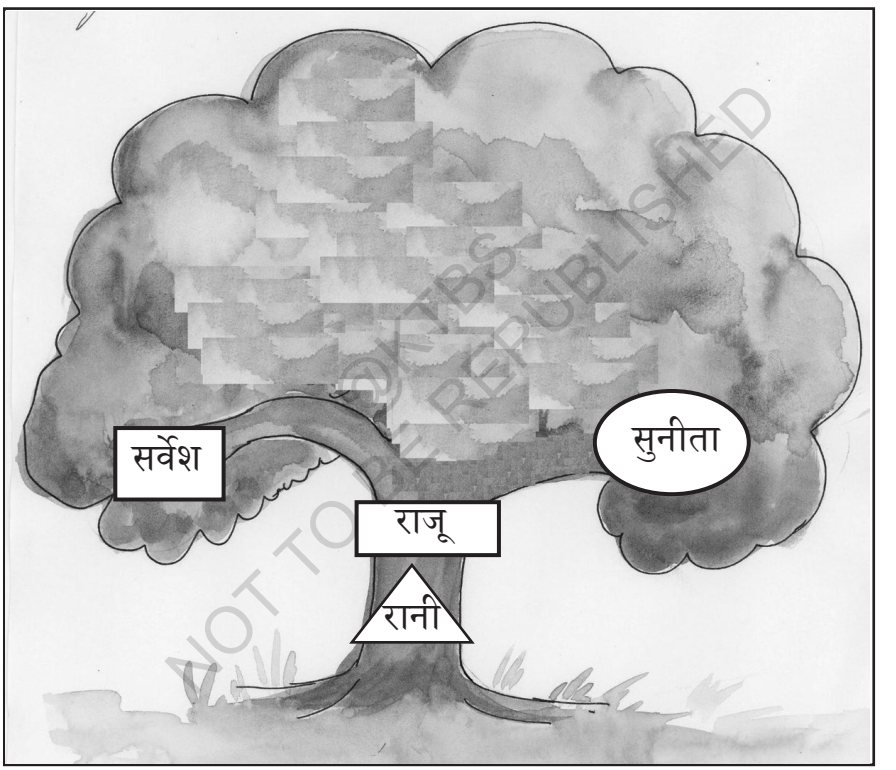


सलीम् और फातिमा के कितने बच्चे हैं?

सलीम के परिवार में अब कितने लोग हैं?

सलीम के परिवार से दूसरे परिवार को गये हुये लोगों की संख्या कितनी है?

दूसरे परिवार से सलीम के परिवार में आये हुये लोगों की संख्या कितनी है?



राजू के परिवार में कितने लोग हैं?

राजू के परिवार में आनेवाले की संख्या कितनी है?

राजू के परिवार से बाहर जानेवालों की संख्या कितनी है?

सलीम और राजू के परिवार में कौन सा परिवार बडा है? क्यों?

बडों की सहायता लेकर चार साल पुराना तुम्हारा वंश वृक्ष लिखो। हाल का तुम्हारा वंश वृक्ष लिखो।

4 साल पुराना वंश वृक्ष	हाल का वंश वृक्ष

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

तुम्हारे लिखे दोनों वंशवृक्षों की तुलना करके उत्तर लिखो ।
तब के और आज के तुम्हारे परिवार में कौन सा परिवार बडा है?

इन चार वर्षो में तुम्हारे परिवार में कोई बदलाव है या नहीं, बदलाव हुआ तो कारण लिखो।

_____

_____

_____

_____

तुम्हारे घर के अडोस-पडोस के परिवारों पर ध्यान दो। एक बडे परिवार और छोटे परिवार का सरल वंश वृक्ष रचो।

बडा परिवार	छोट़ा परविार

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

परिवार के सदस्यों के अन्य जगह जाकर बसने के कारणों की सूची बडों की मदद लेकर लिखो।

_____

_____

_____

_____

_____

क्या तुम जानते हो ?

- धारवाड से 25 km दूर में लोकर गाँव में 7 पीढी से लोग एक ही परिवार में रह रहे हैं। आज इस बहुत बडे परिवार के सदस्यों की संख्या 180 है।
- एक औद्योगिक परिवार से ही पहचाने जानेवाले कृष्णमूर्ति के परिवार मे 40 लोग रहते है सभी बेंगलूरु में है।
- परस्पर असहकारिता तालमेल का अभाव, कार्य के बंटवारे में असमानता, नई-नई जरूरतें आदि से बडे-परिवार छोटे परिवार में परिवर्तित हुए।
- 3 पीढी के वंश वृक्ष या समाचारों को अनेक व्यवहारों में धार्मिक विधि विधान मे उपयोग करते हैं।

NOT TO BE REPUBLISHED @KTBS

पाठ 17

घर-पहली पाठशाला

B4K3R3

इस पाठ के अध्ययन के बाद तुम,

- धर्म, मौल्यों और संस्कृतिक परंपराओं से युक्त एक छोटा घटक ही परिवार है-यही जानोगे।
- परिवार के मूल्यों से समाज में हुए परिवर्तनों पर ध्यान दोगे।



पवित्रा

हमारे घर में पिताजी हर दिन सुबह भगवान की पूजा करते हैं हम सभी एक साथ बैठकर रात को भोजन करते हैं। हमारे पिता जी मेरे लिए और भैया के लिए एक ही तरह की किताब और कलम लाते हैं। पिताजी सिखाते हैं कि सबको इज्जत दो। कमजोरों की मदद करो। त्योहारों में मिठाई बाँटते है। हम हर साल गाँव के मेले में जाते हैं।



रजिया

हमारे-लिए शुक्रवार का दिन खास है शुक्रवार के दिन मैं और माँ घर में ही नमाज करते है। छोटा भाई और पिताजी मसजिद जाकर नमाज करते हैं। रमजान, त्योहार में गरीबों की मदद करते है। दादा कहते है कि सब को समानरूप से इज्जत देनी चाहिये। फुरसत के समय माँ मुझे अरेबिक सिखाती है।



जान

हमारे लिए इतवार का दिन विशेष है। उस दिन घर के सभी गिरिजाघर जाकर प्रार्थना कर के आते हैं। पिताजी और माँ को छुट्टी रहने के कारण सभी उस दिन एक साथ बैठकर भोजन करते हैं। छुट्टी मिलने पर माँ घर की सजावट करती हैं। बाइबल पढ़ती है। कहानी सुनाती हैं। पिताजी कहते है कि सबको प्यार से देखो झगडा मत करो ।

NOT TO BE REPUBLISHED © SCERT

पढो समझो :

विभिन्न धर्मवालों के आचरण विभिन्न रहते हैं। ये ही धामिर्क आचरण हैं सभी धर्म इन बातों पर जोर देते हैं कि आचरण चाहे कोई भी हो, बडों को इज्जत दो, कमजोरों की मदद करो, सब को दोस्ती व प्यार जताओ, आदि।

अब तक तुमने पवित्रा, रजिया और जॉन के परिवार के बारे में जान लिया अब तुम्हारे परिवार के आचरण के बारे में यहाँ लिखो।

तुम्हारे घर में हर दिन करनेवाले आचरण कौन से है?

घर के कामों में कौन, मदद करता है?

तुम्हें अपने दोस्तों से और बडो से किस तरह बर्ताव करना चाहिए तुम्हारे परिवारवाले तुम्हें बताते हैं?

तुम्हारे परिवार में मनाए जानेवाले त्योहारों के बारे मे लिखो।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED



पढो समझो :

धार्मिक मौल्यों तथा सांस्कृतिक आचरणों से जुडा हुआ एक छोटा घटक ही परिवार है।

इस नीचे के चित्र के वार्तालापों पर ध्यान दो। प्रश्नों के उत्तर दो



परिवार द्वारा उच्च शिक्षा दिलाने पर समाज को क्या, उपयोग हुआ।



समाज केलिए उपयोगी वृद्धाश्रम चलाने की प्रेरणा कहाँ से आयी?



© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

माँ के गुण के अनुसरण से पर्यावरण को, समाज को क्या सहायता हुई है?

पढो समझो :

परिवार के मूल्यों में बदलाव होते होते समाज में भी कई बदलाव होते हैं। उदाहरण के लिए,

- सभी क्षेत्रों में महिलाएँ काम करती हैं।
- बाल्य विवाह कम हुए हैं।
- शिक्षा बच्चों का मूलभूत अधिकार हुआ।

महात्मा गान्धीजी के बारे में वाचनालय मे रहनेवाले पुस्तक को पढकर बडों से, सुनकर-समझकर इन प्रश्नो के उत्तर दो।

गान्धीजी द्वारा परिवार से सीखे हुये गुण और मूल्य कौन से हैं?

ये समाज सुधार करने में कैसे सहायक हुये ?

@KTRS NOT TO BE REPUBLISHED

बडे होने के बाद तुम क्या बनना चाहोगे? क्यो ?

इससे समाज को होनेवाला उपयोग क्या है? लिखो।

दी हुई कहानी को पढो । कारण को लिखो



पढो समझो :

बच्चों की कहानी

चन्द्रण्णा गाँव से लौट रहा था। रास्ता भटक गया। चलकर थका हुआ वह एक घर के पास विश्राम कर रहा था। घर में रहने वाले बालक ने इसको देखकर' पकडिये, इसके पास जो कुछ है छीन लीजिये कहकर जोर से चिल्लाने लगा। चन्द्रण्णा डर से भागता हआ रास्ते के आखिरी घर आया। वहाँ रहनेवाला लडका इसे देखकर आइये, बैठिये, विश्राम कीजिये, पानी लाऊँ क्या? कहकर उपचार करने लगा। उसने पानी पीकर विश्राम किया।

चन्द्रण्णा खुद को मिले हुये दो बच्चों के बारे मे सोचता हुआ, अपने घर की तरफ चल पडा चन्द्रण्णा को पहले मिला हुआ बालक 'पकडिये, छीनिये' कहने का क्या कारण है ।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

चन्द्रण्णा खुद मिले हुये दो बालकों में किसे चाहेगा? क्यों?

चन्द्रण्णा को मिले दोनों बालकों का अलग ढंग से बर्ताव करने कारण क्या है?

क्या तुम जानते हो ?

- जैनधर्म के बहु मुख्य तत्व आहिंसा को उनके आहार पद्धतियों में भी देख सकते है। ये सस्याहारी आहार का कट्टरता से अनुसरण करते हैं। कंदमूलो को पाने के लिए उनकि जडों को उखाडने से पौधे मर जायेंगें इस विचार से ये मतानुयायी कन्द मूलों का उपयोग नही करते।
- बचपन में अपने परिवारवाले मुख्यत: पिताजी से सिखाये हुये अनुशासन से करियप्पा को भारत के प्रथम भू सेना प्रधान चुने जाने में मदद मिली । भारतीय सेना के अत्युन्नत ओहदे से अलंकरित किये हुये केवल दो व्यक्तियो में ये ही प्रथम हैं।
- प्रख्यात लेखक, कवि डि.वि गुडंप्पा के पुत्र बि.जि. एल स्वामी नामी सस्य शास्त्रज्ञ है। पिताजी से प्राप्त साहित्य कुशलता को इन्होने सस्य शास्त्र में अपनाया। इनकी लिखी 'हसिरू होन्नू' ग्रंथ आज के सस्य शास्त्र के हजारो विद्यार्थी-विद्यार्थनियों को अत्यमूल्य सिद्ध हुआ है। हजारों विद्यार्थी इसका लाभ उठा चुके है और उठा भी रहे हैं।

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पाठ 18

हर कोई विशेष

H1B7T5

इस पाठ के अध्ययन के बाद तुम,

- परिवार के सदस्यो और दोस्तो के गुणों को और कुशलता को पहचानोगे।
- पहचानेंगे कि हर व्यक्ति विशिष्ट है ।
- विशेष आवश्यकता रहनेवालों के बीच के संवहन विधानों को जानोगे। विकलांगो के प्रति संवेदनशील होकर प्रतिक्रिया दोगे।

लता के स्कूल में अगले सप्ताह प्रतिभा कारंजी कार्यक्रम है। उस दिन पाठशाला के शिक्षको ने बच्चो के लिए कई स्पर्धाओं को चलाने का निश्चय किया। स्पार्धाओं की सूची को पाठशाला के सूचना फलक में डाला गया शाला समाप्त होने के बाद लता और कुछ दोस्त मिलकर बहस करने लगे कि किस स्पर्धा में भाग ले।

लता : राजू तुम चित्र बहुत खूब बनाते हो। चित्रकला स्पर्धा में तुम्हारा नाम दो।

राजू : लता, तुम्हारी आवाज बहुत ही सुरीली है। तुम गायन स्पर्धा में क्यों नहीं भाग लेती?



© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

महम्मद : रीटा, तुम मिट्टी से गुडिया खूब बना लेती हो चिकनी मिट्टी से नमूना बनाने में तुम ही ठीक हो।

रीटा : महम्मद नाटक खूब करता है। लता, उसका नाम क्यों न दें?

इस तरह चर्चा के बाद किसने किस में भाग लेने के बारे में फैसला किया?

इन प्रश्नों के उत्तर दो :

लता और राजू ने किन स्पर्धाओं मे भाग लेने के बारे में सोचा?

रीटा ने महम्मद को किस स्पर्धा में भाग लेने के लिये ठीक कहा?

महम्मद ने रीटा को मिट्टी के नमूने बनाने की स्पर्धा मे क्यो भाग लेने के लिए कहा?

तुम्हारे स्कूल में प्रतिभा कारंजी चलने पर तुम कौन सी स्पर्धा में भाग लोगे? क्यों?

तुम्हारे अन्दर और कौन से विशेष गुण हैं? लिखो।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

तुम्हारे दोस्तों के विशेष गुणों की सूची तैयार करो ।

उदाहरण:

दोस्तो का नाम	विशेष गुण
रामू	अच्छा अभिनय-करता है।

तुम्हारे परिवार के सदस्यों के नाम लिखो। उनमें तुम कौन से गुण पसन्द करते हो।

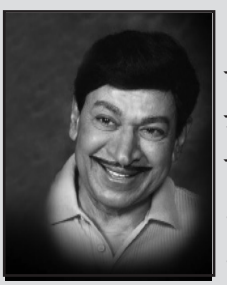
सदस्यों के नाम	चाहनेवाला गुण

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

बचपन में कुशलता को पहचानकर उसे उचित मौका और प्रोत्साहन देने से विभिन्न क्षेत्रों मे कुछ नामी महापुरूष और महिलाएँ हमारे राज्य कर्नाटक में है। यहाँ चार लोगों का परिचय दिया हुआ है।

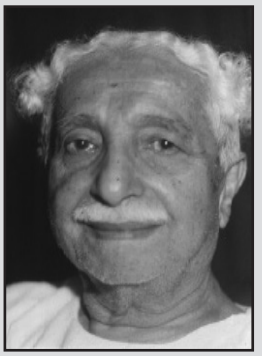
पढो समझो :

डा. राज कुमार



अपने अभिनय और गायन कुशलता से डाँ राजकुमार जी कन्नड सिनेमा! क्षेत्र में मशहूर हुए है 200 से अधिक सिनेमाओं में अभिनय कर यह श्रेष्ठ अभिनेता बनकर प्रतिष्ठित दादा साहेब फालके पुरस्कार पाये प्रथम कन्नडिग हैं। प्रख्यात राजकुमार जी अपने पिताजी से प्रेरित देन हैं। अपने आठ सालकी उम्र से ही अभिनेता बनकर अभिनय किया था।

कुप्पली वेंकटप्पा पुट्टप्प (कुवेंपु)



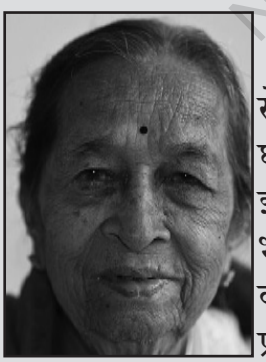
कुप्पली मे जन्म लेने वाले ये राष्ट्र कवि के रूप में प्रख्यात हुए । स्कूलों में हर दिन गाया जाने वाला **जय भारत जननिय तनुजाते** - प्रान्तीय गीत को लिखने वाले कुवेंप्पु जी अपने लिखावट की कुशलता से ज्ञानपीठ प्रशस्ती प्राप्त करने वाले पहले कन्नड कवि है। बच्चों के लिये किन्नर जोगी, नन्न गोपाल, अमलना कथे, आदि इन्होने लिखा है। साहित्य क्षेत्र में नाम कमानेवाले कुवेम्पू को बचपन से कहानी. कविता, पुस्तक पढना और लिखने का शौक था।

कित्तूर की रानी चेन्नम्मा।



बेलगावी के काकती में जन्मी चेन्नम्मा बचपन से ही बहुत धैर्यशाली थीं, छोटी उम्र से ही घुडसवारी तलवारबाजी और तीरंदाजी का इनको बडा शौक था। इस कारण बचपन में ही युद्ध कुशलता का अभ्यास किया। कित्तूर के राजा मल्लसर्ज को ब्याह कर कित्तूर की रानी बनी। मल्लसर्ज कीमृत्यु के बाद ब्रिटिशवालों के साथ साहस से लडकर वीर महिला कहलायीं।

गंगूबाई हानगल



धारवाड में जन्मी गंगूबाई जी. अपनी गायन कुशलता से संगीत कला में उन्नत शिखर पर पहुँचकर भारत में हर घर की बात बनी जब ये 13 वर्ष की हुई तो इनके माँबापने इनकी गायन कुशलता को पहचान कर संगीत शाला में भर्ती कराया कर्नाटक संगीत और हिन्दुस्तानी संगीत सीख कर इन्होंने देश के कई जगहो में संगीत सभा चलायी। कई प्रशस्तियाँ पाई। आकाशवाणी में अनेक संगीत कार्यक्रमों को किया। हिन्दुस्तानी गायन में अत्युन्नत स्थान पाया है।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

अपने विशिष्ट गुण और कुशलता से कर्नाटक के कई लोग प्रसिध्द हुये है। ऐसे व्यक्तियों के बारे में वाचनालय में मिलनेवाली किताबें पढो ।

तुम्हारे गाँव में अपने विशिष्ट गुण या कुशलता से नाम कमाने वाले व्याक्तियों की सूची बनाओ। इन व्यक्तियों की विशिष्टता या कुशलता बडों की मदद से सुनकर लिखो।

प्रसिद्ध व्यक्ति	**विशेष गुण/कुशलता**

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

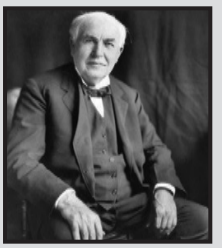
कर्नाटक के प्रसिद्ध कवि कलाकार वैज्ञानिक गायक और समाज सुधारकों के बारे में बडों से या शिक्षकों से समझो। इनके बारे में शाला वाचनालय से किताबें लेकर पढो। तुम्हारे बहुत ही प्रिय एक मशूहर व्यक्ति के बारे में चार पक्तियाँ लिखो । इनको बचपन में प्राप्त प्रोत्साहन, सहकारो को पहचानो।

कुछ लोगों ने, शारीरिक कमियाँ होते हुये भी अपने खास गुण और निपुणता को हठ से आगे पहुँचाकर दुनिया में नाम कमाये है।

उनमें से एक के बारे ये यहाँ कहा गया है।

पढो समझो :

थामस् आल्वा एडिसन



बालक एडिसन गणित में बहुत कमजोर था, शब्दों का उच्चारण करने में बहुत तकलीफ होती थी स्कूल में भर्ती हुये तीन महीनो में इस बालक को बुखार आया, कान में घाव फैला सुनने का सामर्थ्य खोकर बहरा हुआ। इससे स्कूल जाना बंद हुआ. माँ ने घर में उस बालक को शिक्षित किया। इस बालक ने आगे बडे होकर कई साधनों का आविष्कार किया। हमारे घर में जलनेवाले बल्ब जैसे महत्वपूर्ण साधनों का पता लगाने वाले व्यक्ति ही थामस् आल्वा एडिसन है।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

एडिसन के जीवन से तुम क्या सीखते हो? लिखो।

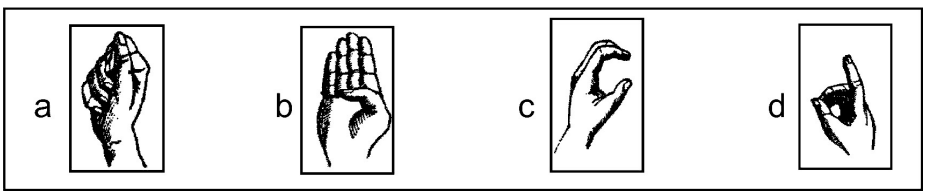
_____

_____

_____

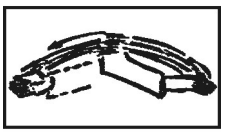
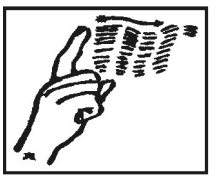
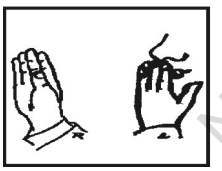
पिछली कक्षा में तुमने सुनने और बोलने में तकलीफ रहनेवालों से सकेंतों के जरिये बात करने का ढंग तुमने जान लिया है। यही नहीं बात करने के लिए संकेत अक्षर को भी। उपयोग करते हैं। क्या तुम्हें मालूम हैं।

इसे देखो :



उँगलियों के सहारे इन अक्षरों को कैसे व्यक्त करते हैं? देखो।

इस के जरिये हाथ और उंगुलियों के चलन संकतों को करके बताते हैं। उदाहरण के लिए यहाँ कई संकेतों और उनके अर्थ दिये हैं। उन्हें समझो।

	गुस्सा
	दूसरा
	मैं अकेला
	उठो
	आश्चर्य

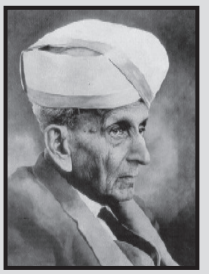
@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पढो समझो :

दृष्टिहीन विकल चेतनवाले (अंधे) ब्रैल लिपि को वाक और श्रवण विकल चेतनवाले संकेताक्षरों को उपयोग करके दूसरो से संवहन क्रिया करते हैं। ये भी हम जैसे हैं! लेकिन इन्हे कुछ विशेष शिक्षण की आवश्यकता है? यह तुम्हे मालूम होना चाहिए समझना चाहिए।

शारिरिक रूप से विकलांग होकर भी विशेष साधना करने वाला कोई विशेष व्यक्ति अगर तुम्हारे गाँव या शहर में हो तो अपने बड़ों से उनकी जानकारी प्राप्त करों।

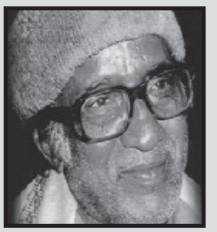
क्या तुम जानते हो ?



बचपन में ही अपनाये गये कौशलों और मौल्यों से सर. एम. विश्वेश्वरय्याजी भारत के सर्वश्रेष्ट तकनीकी व्यक्ति कहलाये इन्होने अपनी तकनीकी कुशलता से कई बाँध, कारखाने सड़कों आदि का निर्माण कराते हजारों लोगों की सेवा किये हैं, इस कारण भारत सरकार ने इन्हे 1995 में अत्युन्नत गौरव **भारत रत्न** उपाधि से सम्मानित किया है ।



मदर थेरेसा जी ने अपनी पूरी जिन्दगी रोगियों की, कमजोरों की, अनाथों की सेवा की है। इस सेवा के लिए इनको **नोबेल** पुरस्कार मिला है।



कन्नड अभिनेता बालकृष्ण जी के कान सुनाई नहीं देते थे, तो भी अद्‌भुत रूप से अभिनय करते थे।

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पाठ 19

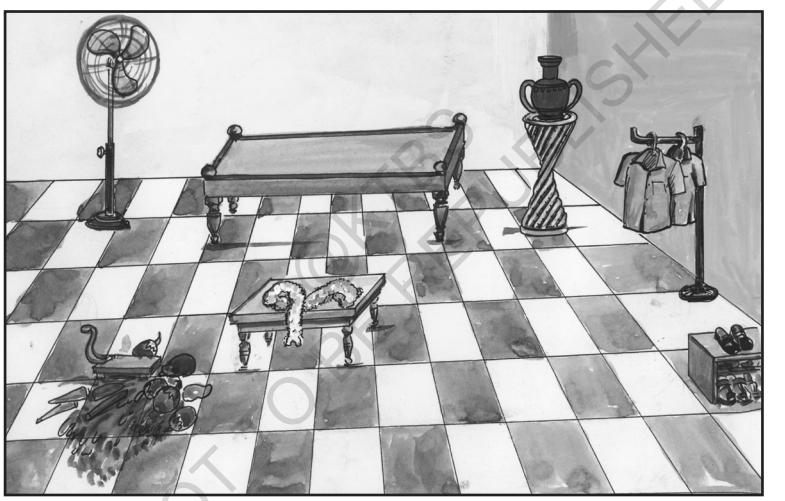
वृत्ति-विशेष

A9S9Q3

इस पाठ के अध्ययन के बाद तुम,

- स्थानीय और विविध प्रदेशों के विविध वृत्तिवालों को पहचानोगे।
- कमानेवाले बच्चों द्वारा सामना करने वाली समस्याओं को जानोगे।

यह सोमू का घर है। इसके घर में हर दिन उपयोग होनेवाली कई वस्तुयें हैं। किसने बनाया है? इन्हें कौन बनाते हैं। बडो से पूछकर बोलो।



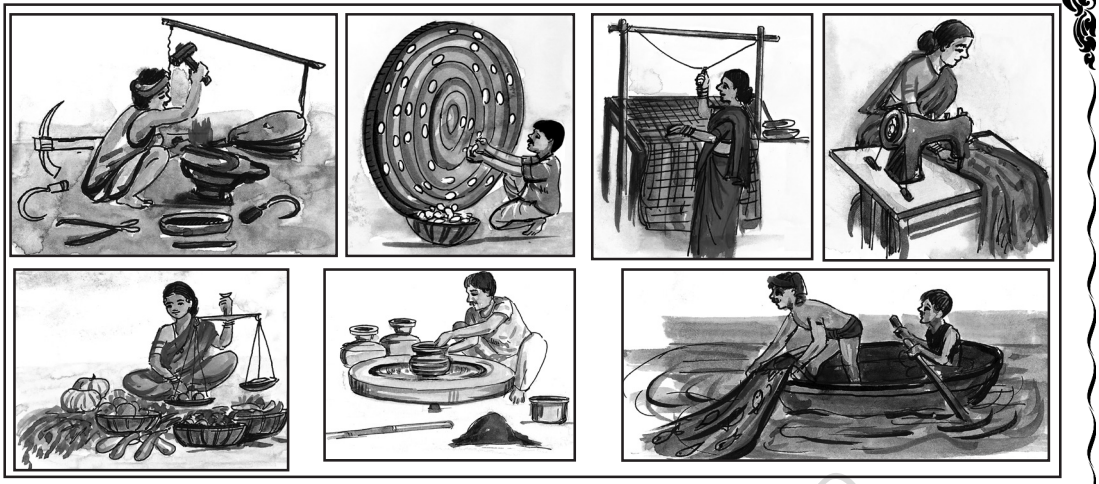
NOT TO BE REPUBLISHED

रामनहल्ली एक छोटा गाँव है। इस गाँव के लोगों द्वारा किए जानेवाले कार्यों को यहाँ दिखाया गया है। ये कौन से काम या वृति करते हैं। इनको खाली जगह में लिखो।









1. _____ 6. _____
2. _____ 7. _____
3. _____ 8. _____
4. _____ 9. _____
5. _____ 10. _____

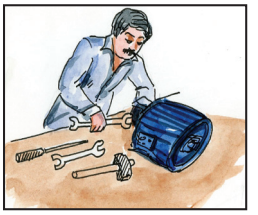
विविध काम करनेवाले लोगों के चित्र यहाँ है ये कौन है? ये कौन सा काम करते हैं लिखो।

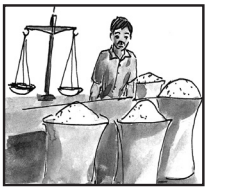





_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

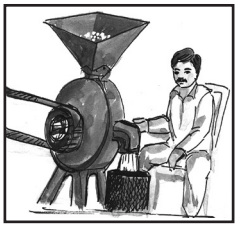
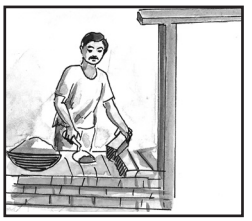


_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED



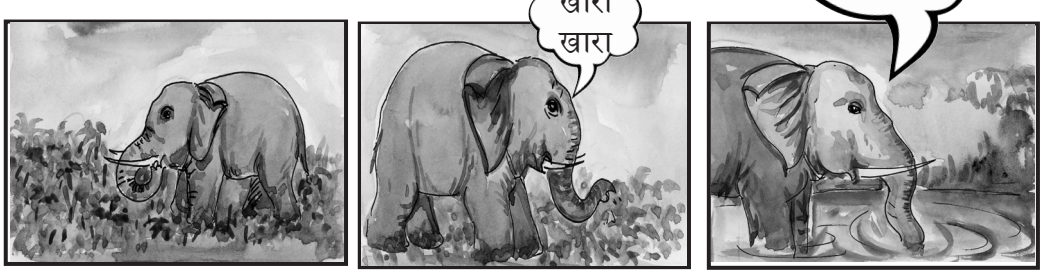

क्या ये लोग तुम्हारे गाँव में रहते है? तुम्हारे गाँव मे रहनेवालों पर (✓) संकेत डालो। इन्हे छोडकर तुम्हारे गाँव मे अन्य वृत्ति के लोगों को पहचानकर लिखो।

इनसे होनेवाले कामो को अभिनय करके बताओ।

1. किसान
2. बढई
3. शिक्षक
4. डाक्टरानी
5. डाकिया
6. नर्तकी
7. दर्जी
8. गायिका
9. फूल बेचनेवली
10. ड्राईवर

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

इस चित्रकथा को पढो :

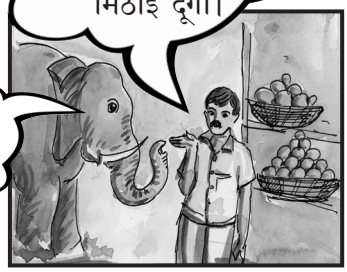


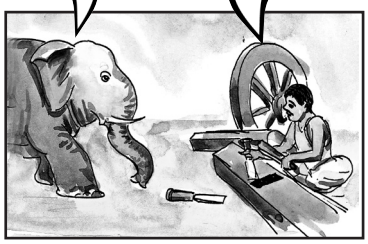
मिठाई की थाली रखने के लिए रखने मेज नहीं है मेज लाके दो मिठाई दूँगा।

मिठाई वाले को मेज दो भैया ।

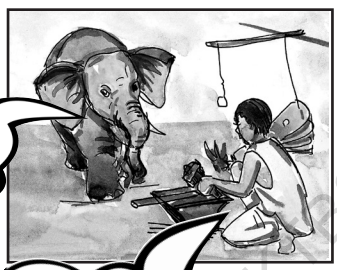
पेड काटने आरा नहीं है। उसे लाओ तो दूँगा।

बहुत खारा है मिठाईदो भैया।





मेज के लिए पेड काटने आरा दो भैया।

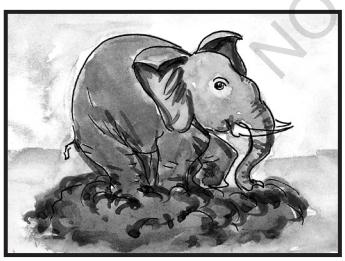


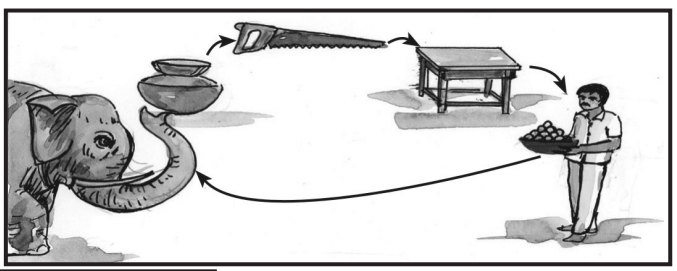


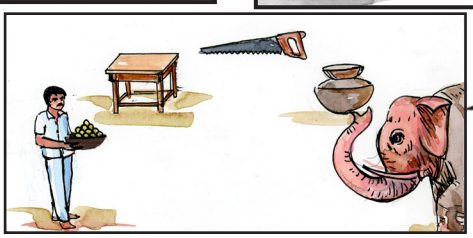
गरम लोहा ठंडा करने के लिए पानी चाहिये उस पानी को रखने के लिए घड़ा चाहिए। उसे लाओ।

पानी रखने के लिए घडा भैया।

बहुत कोशिश से भी मिट्टी ऐसी ही है। उसे कुचल कर सानो तो घडा दूँगा।







ओह अब खारा गया।

NOT TO BE REPUBLISHED

इन प्रश्नो के उत्तर दो :

हाथी किन-किन वृत्तिवालों के पास गया?

_____

_____

हाथी ने किन- किन से वस्तुओ को पाया?

_____

_____

कुम्हार की मदद हाथी ने किस तरह की?

_____

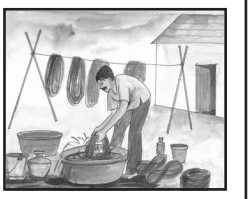
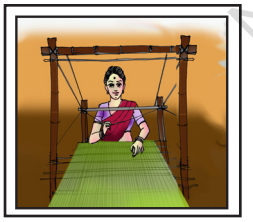
_____

पढो समझो :

एक वृतिवाले दूसरे वृत्तिवालो पर निर्भर रहते है।

इन चित्रों को गौर करो। तुमसे पहनने वाले कपडे कैसे तैयार होते हैं-जानो।






किस किस की मदद से तुम्हारे पहननेवाले कपडे तैयार हुए है? इसे चित्र के नीचे दिये हुये चौखाने (वर्ग) में लिखो।

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पढो समझो :

तैयार वस्तुएँ हमें दूकानो में मिलने पर भी उसकी तैयारी में कई वृतिवालों का परिश्रम रहता है।

तुम्हें मालूम है कि नहीं, बच्चे भी विविध कार्य करते हैं।

पिछली कक्षा में कमाई में लगे हुये बच्चों द्वारा सामना करनेवाली समस्याओ को तुमने समझ लिया है।

तुम्हारे द्वारा देखे हुये कमाई मे लगे एक बच्चे के बारे में लिखो। उसके द्वारा सामना करनेवाली समस्याओं में से चार को लिखो ।

_____

_____

_____

_____

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

क्या तुम जानते हो ?

- दैनिक जीवन के लिए आवश्यक वस्तुओं की तैयारी से लेकर घर की सजावट की वस्तुओं की तैयारी तक मे कई वृत्तिदार हैं। इनकी कुशलकला भी एक वृत्ति है।
- कर्नाटक की कुशल कलाओं में चंदन की लकडी की नक्काशी मशहूर है।
- लकडी की गुडिया, खिलौनों की तैयारी में रामनगर जिले का चन्नपट्टण है।
- 14 वर्ष की आय से छोटे बच्चों को रोजगार में लगाना कानूनन अपराध माना जाता है। इस उम्र के बच्चों को अनिवार्य रूप से शिक्षित करना सब की जिम्मेदारी है।
- कमाई में लगे हुए 6-14 साल के बच्चों की शिक्षा और विकास के लिए कर्नाटक सरकार ने विशेष आवासीय और पुनर आवास केन्द्रों को सभी जिलों में आरंभ किया है।

पाठ 20

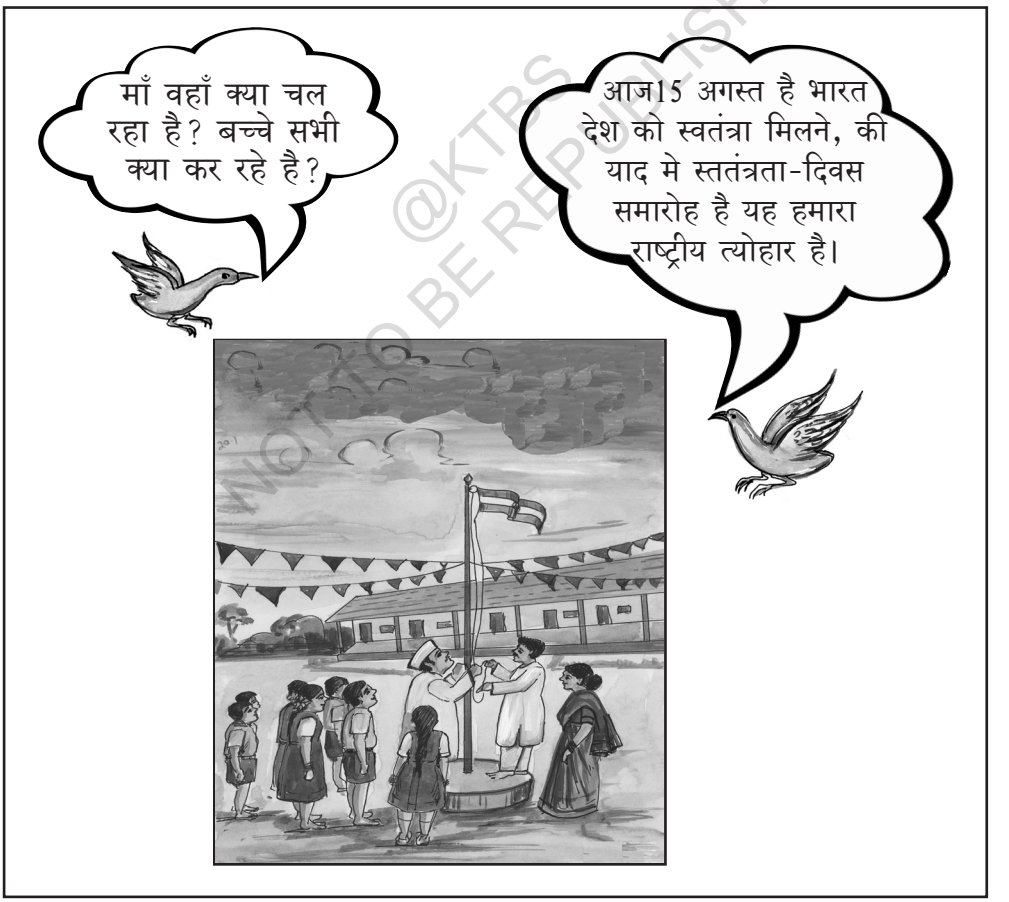
त्योहार-तरंग

D7D6L6

इस पाठ के अध्ययन के बाद तुम,

- स्कूल के समारोहों में और राष्ट्रीय त्योहारों में भाग लोगे ।
- राष्ट्रीय त्योहारों के महत्व जानोगे।
- राष्ट्रीय संकेतों को जानेंगे और गौरव दोगे ।

माँ के साथ आसमान में उडते हुए छोटे सारस पक्षी ने स्कूल के मैंदान में उत्सव को देखा।



@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

राष्ट्रीय त्योहार माने क्या?

देश को राष्ट्र भी कहते हैं। राष्ट्र से संबंधित महत्व के दिनों को देश के सबलोग सभी जगह त्योहार के रूप मे मनाना ही राष्ट्रीय त्योहार कहलाता है।

पढो समझो :

सामान्यतः देश और राष्ट्र शब्दों को अदल-बदलकर बोलते हैं। लेकिन निर्दिष्ट भौगोलिक नक्शा रहनेवाले एक सीमा के अन्दर आनेवाला प्रदेश ही देश है।

एक ही इतिहास, संस्कृति, आकांक्षा रहनेवाले और हम सभी एक ही है. भावना से जीनेवाले लोगो सेमिला हुआ देश ही राष्ट्र है।

© KSBS NOT TO BE REPUBLISHED

क्या, केवल स्वतंत्रता-दिवस ही राष्ट्रीय त्योहार है?

केवल यह एक ही नहीं है भारत देश गणराज्य की याद में _____ को गणतंत्र दिवस मनाते है। इसी तरह गान्धीजी के जन्म दिन गान्धीजी के जन्म दिन _____ गान्धी जयंती मनाते हैं।

ऊपर की खाली जगहों में सही दिनांक भरो।

इसके अलावा कर्नाटक में 1 नवंबर को कन्नड राज्योत्सव मनाते हैं। वह दिन हमारे राज्य का रचना दिवस है। इस दिन को कर्नाटक राज्य के लोग खुशी से मनाते हैं।

पढो समझो :

परंपरागत से आयी, सांस्कृतिक एकता पैदा करनेवाले त्योहारो को प्रांतीय त्योहार के रूप मे मनाने की पद्धति है। कर्नाटक में दशहरे को प्रान्तीय त्योहार के रूप मे मनाते हैं।

माँ, नीचे देखो बच्चे सभी क्यों ऐसे खडे हुये हैं?

अब वहाँ राष्ट्रध्वज फहरा रहे हैं। सुनो वे राष्ट्रगीत गा रहे हैं इसलिये वे बिना हिले सीधे खडे होकर सम्मान दे रहे हैं।

वह हमारा राष्ट्र-ध्वज है।

माँ उडता हुआ ध्वज देखो



© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

इन प्रश्नो के उत्तर दो :

1. यह क्या है? इसमें कितने रंग है? बीच में क्या है?



2. राष्ट्र-ध्वज को तुम्हारे स्कूल में किन दिनों में फहराते हैं?

3. तुम स्कूल में हर दिन णार्थना में कौन- कौन से गीत गाते हो?

4. हमारा प्रांतीय गीत कौन, सा है? राष्ट्र गीत कौन सा है?

   राष्ट्र गीत : _____

   प्रान्त गीत : _____

5. राष्ट्रगीत, प्रान्तगीत गाते समय तुम कैसे खडे होंगे? क्यों?

@ICTBS NOT TO BE REPUBLISHED

बेटा, तुम्हें राष्ट्रध्वज और राष्ट्र गीत का ज्ञान हुआ। यहाँ रहनेवाला खंबा देखो। उस के ऊपर के चार सिंहों को देखो। यही हमारा राष्ट्रीय मोहर है। सिंह बोधी नाम है।

तीन सिंह खडे है ऐसा मोहर में दिखता है।



यहाँ चार सिंह है सिंह एक दूसरे से पीठ सटाकर खडे होने के कारण चौथा सिंह नही दिख रहा है सिंह के नीचे दौडता हुआ घोड़ा,चक्र और बैल हैं इनके नीचे 'सत्यमेव जयते वाक्य भी है।

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

राष्ट्र की मोहर को तुमने कहाँ-कहाँ देखा है? यहाँ लिखो

_____ _____

_____ _____

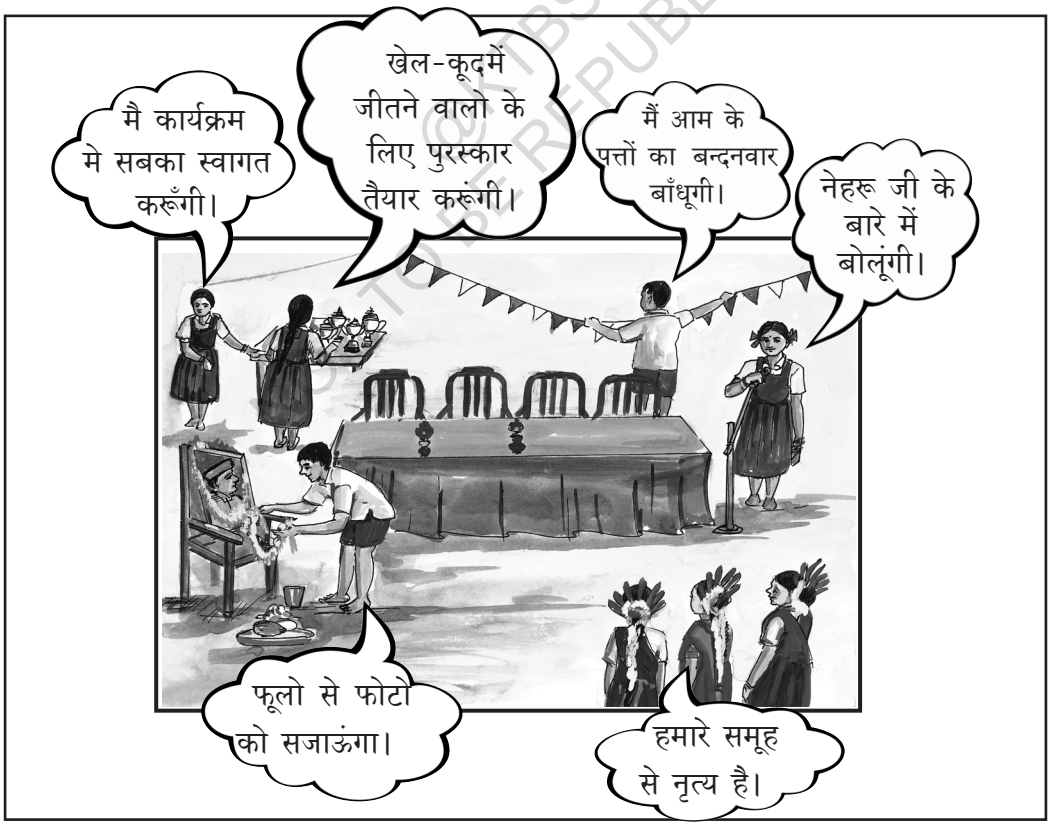
_____ _____

पढो समझो :

- **राष्ट्र की मोहर, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगीत,** हमारे राष्ट्र के मुख्य चिह्न हैं।
- देशाभिमान, भावैक्यता और एकता की भावना बढ़ाने में ये सहायक हैं।

तुम्हारे स्कूल में मनाये जानेवाले राष्ट्रीय त्योहारों को दिनाँक के साथ सूची बनाओ। उनमें से एक के बारे में चार पाक्तियाँ लिखो।

चित्र में एक पाठशाला है। यहाँ बाल दिवस समारोह का चित्र है। गौर करो।



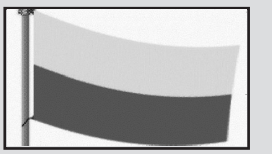
© KSEEB NOT TO BE REPUBLISHED

इस चित्र में बच्चों द्वारा करनेवाले कामों की सूची लिखो।

तुम्हारे स्कूल में बाल दिवस कैसे मनाते हैं? इसके बारे में वाक्यों में लिखो। उस दिन तुम क्या करोगे? इसके बारे में भी लिखो।

क्या तुम जानते हो ?

- कर्नाटक के ध्वज कां रंग-पीला और लाल



- कर्नाटक का जानवर - हाथी



- कर्नाटक का फूल - कमल



- कर्नाटक का वृक्ष-चन्दन का वृक्ष



@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

- कर्नाटक का पक्षी- नीलकंठ



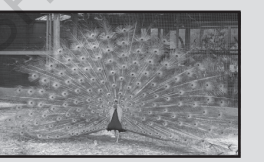
- भारत का राष्ट्रीय प्राणी -बाघ



- राष्ट्रीय फूल - कमल



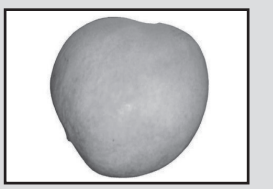
- राष्ट्रीय पक्षी - मोर



- राष्ट्रीय वृक्ष - बरगद का पेड



- राष्ट्रीय फल - आम



@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पाठ 21

खो...खो...

Y1F5U1

इस पाठ के अध्ययन के बाद तुम,

- खेलो और नियमों का परिचय कर लोगे ।
- खेलों से सामाजिक संबधों की वृद्धि होने के बारे में जानोगे
- खेलो और सर्कस द्वारा मिलनेवाले मनोरंजन के बारे में विवरण दोगे।

तुम पिछली कक्षा में आँगन के अन्दरूनी खेलों तथा बाहरी आंगन के खेलो के बारे में मालूम कर चुके हो। स्कूल में भी शिक्षक ने कई खेलों को खिलाया होगा। तुम्हें कौन-कौन से खेलों का परिचय है, इसे नीचे के प्रश्नो के उत्तर देकर समझो ।

1. इमली के बीज के उपयोग से खेला जानेवाला एक खेल।

   _____

2. लंगडाते हुये खेलने का खेल।

   _____

3. बल्ला और गेन्द के उपयोग से खेलने का एक खेल ।

   _____

4. पासों से खेलनेवाला खेल ।

   _____

5. कौडियों के उपयोग से खेलनेवाला खेल।

   _____

6. पानी में खेलनेवाला एक खेल।

   _____

7. समूह में खेलनेवाला एक खेल।

   _____

© @KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

8. हाथ से खेले जानेवाला गेन्द का खेल।

_____

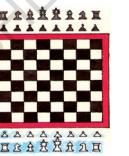
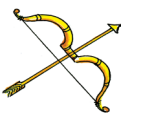
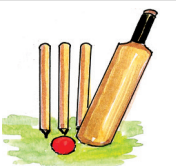
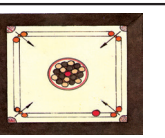
9. तुम्हारे जिले के विशेष खेल ।

_____

10. मेले में तुम से देखा गया खेल।

_____

यहाँ कुछ खेलों के नाम और खेल की सामग्री के चित्र दिये है। इनको जोडो।

हॉकी	
क्रिकेट	
बैडमिन्टन	
तीरन्दाजी	
केरम्	
चेस् (शतरंज)	

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

क्या तुम इन्हे जानते हो? ये किस खेल में अत्यन्त निपुण है खाली जगह में भरो।

 राहुल द्राविड	_____	 सचिन तेंडूलकर	_____
 प्रकाश पडुकोणे	_____	 पि.टि उषा	_____
 मालती होल्ला	_____	 अभिनवबिंद्रा	_____
 धनराजपिल्ले	_____	 विश्वनाथ आनंद	_____
 सानिय मिर्जा	_____	 ममता पूजारी	_____

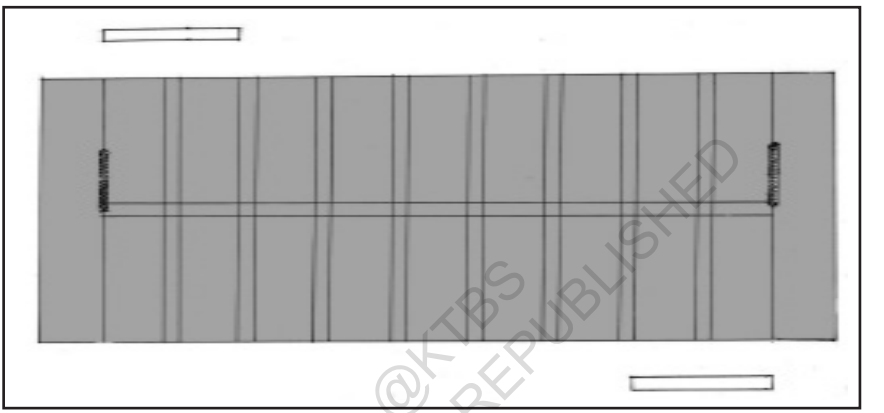
@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

तुम अपने दोस्तों के साथ स्कूल में खेलने वाले मैदानी खेलों के नाम लिखो।

_____ _____

_____ _____

चौथी कक्षा के बच्चें उस दिन बहुत खुश थे। उनकी शिक्षिका द्वारा उस दिन खो-खो सिखाने का दिन था। आतुरता से इन्तजार में रहनेवाले बच्चों को शिक्षिका खेल के मैदान में बुला लाई। खो-खो मैदान को दिखाया।



© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

बच्चे सभी मैदान का चक्कर लगाकर आने के बाद शिाक्षिका ने इन प्रश्नों को पूछा। चित्र में दिखनेवाले खो खो मैदान को देखो । शिक्षिका से पूछे हुये प्रश्नों के उत्तर तुम भी दो।

1. खो-खो मैदान किस आकार में है?

_____

2. खो-खो अंकण में कितने खंबे है?

_____

3. दो खंबो के बीच में कितने चौक है?

_____

4. खंबे से खंबे तक कितनी रेखायें खींची गई हैं ?

_____

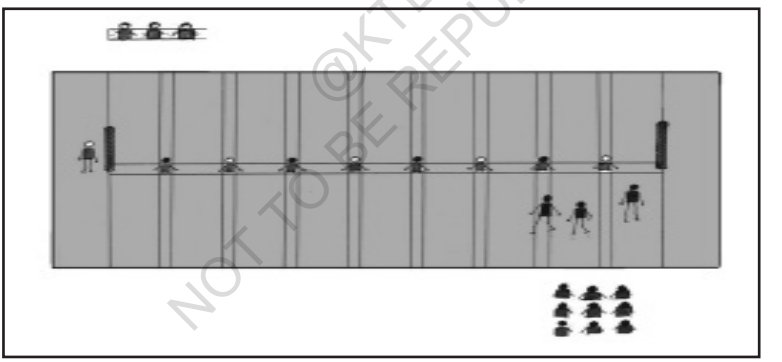
शिक्षिका ने बच्चो को 12 खिलाडियों के एक दल के हिसाब से दो दल बनाये हैं। एक दल भागनेवाला दल और दूसरा दल छूने (स्पर्शकरना) का दल कहकर समझाया।

पढो समझों :

- खेल में दो पारियाँ होती है। हर पारी में भागने और छूने (स्पर्श) की पारी रहती है। एक अवधि (राउंड) में 7 मिनिट होते है।
- खो-खो दल मे कुल 12 खिलाडी रहते है। उनके 9 खिलाडी खेलनेवाले और 3 बदली खिलाड़ी।

शिक्षिका ने खेल खिलाना शुरू किया।

इस चित्र को देखकर खेल खेलने के क्रम को लिखो।



@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

कितने खिलाडी बैठे हुये हैं?

_____

खंबे के पास कितने खिलाडी खडे हुये हैं?

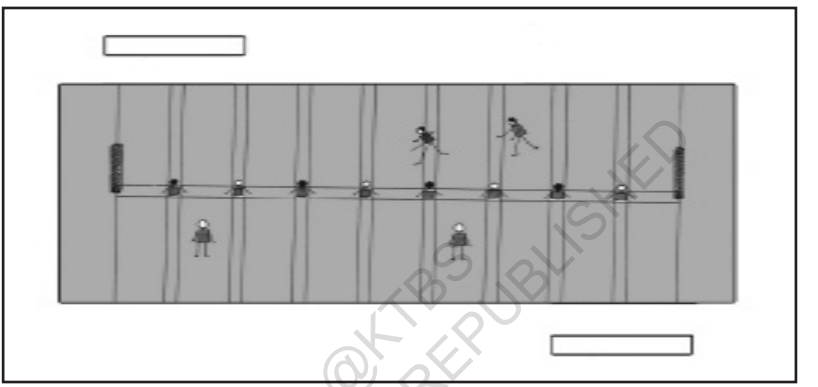
_____

खिलाडी कैसे बैठे हुये हैं?

_____

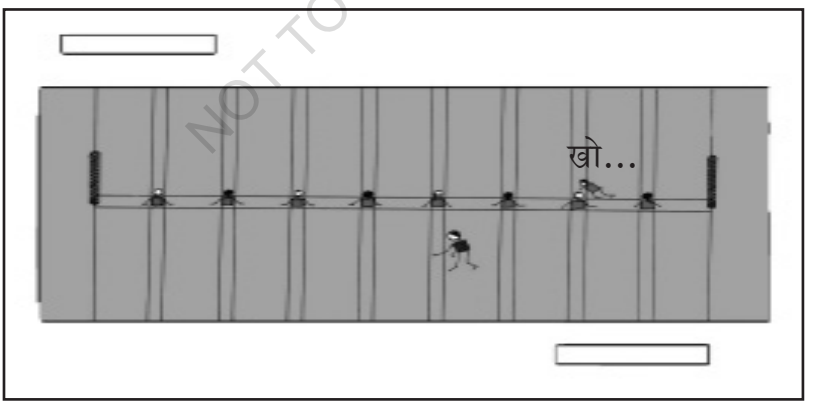
खेल आँगन (अंकण) में कितने खिलाडी उतर रहे हैं?

खेल के मैदान के पास कितने दल तैयार बैठे हुए? हर दल में कितने खिलाडी हैं?

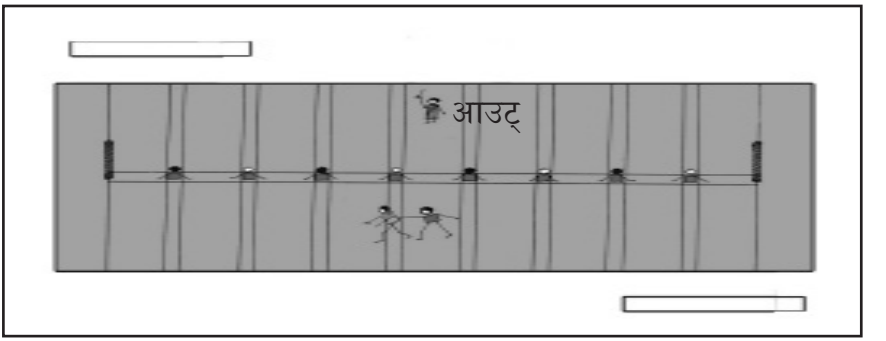


@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

इस चित्र में क्या चल रहा है?



पकडनेवाला खिलाडी क्या कर रहा है? क्या कह रहा है?



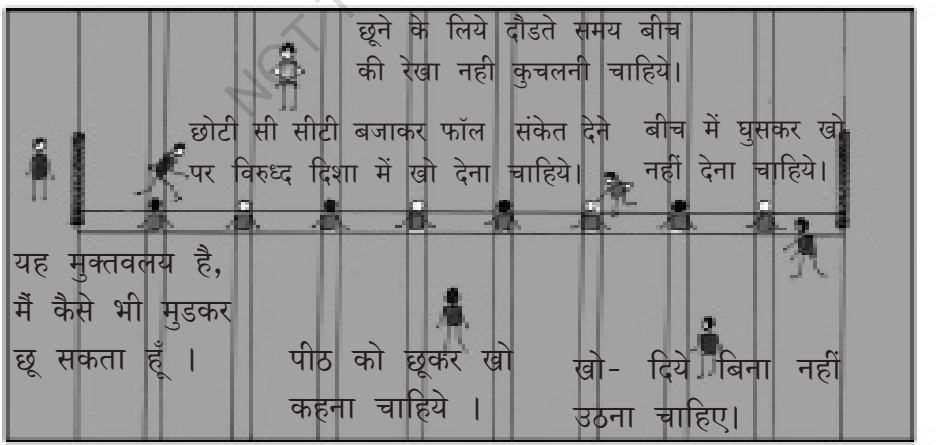
शिक्षिका ने आऊट क्यों कहा ?

_____

_____

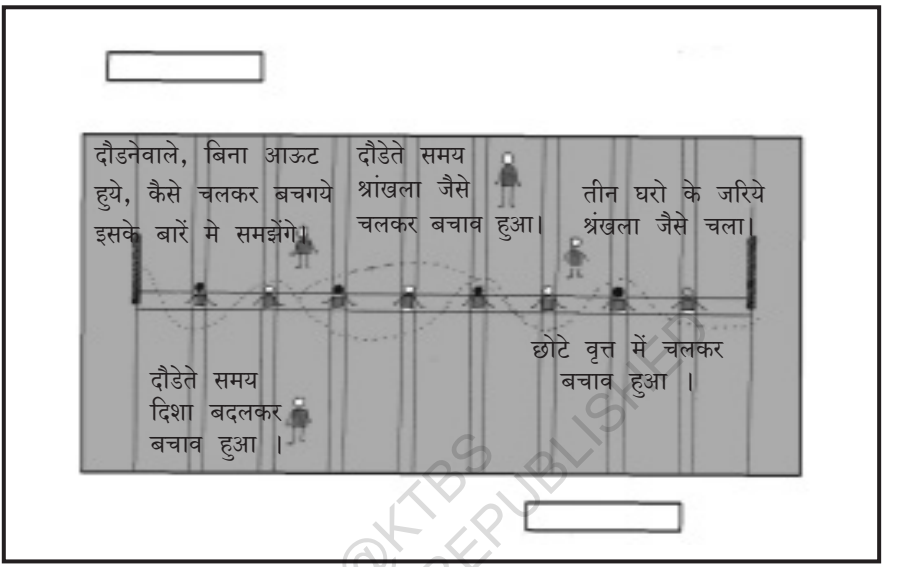
_____

खेल खेलने के बाद में शिक्षिका ने बच्चो को फिर से नियमो को चित्र के सहारे ठीक ढंग से सिखाया।



@IITBS NOT TO BE REPUBLISHED

बच्चों को मालूम हुआ कि- इन नियमों को तोडे तो फाउल (गलत) है- दूसरे दल के खिलाडियों ने अपने खेल के बारे में चर्चा की। भगानेवाले खिलडियों ने बताया कि वे बिना आऊट हुये, कैसे चलकर बच गये



@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

खेलने के बाद बच्चे और शिक्षिका कक्षा में चले गये।

खेल-खेलो:

तुम अपने दोस्तों के साथ शिक्षिका की सहायता से खो-खो मैदान को तैयार करो। खो-खो खेल खेलो।

खो-खो खेल के 4 नियमों को लिखिये।

1. _____
2. _____
3. _____
4. _____

तुमने अब तक खो-खो खेल के नियम समझ लिये हैं।

इसी तरह अन्य खेलो के नियमो का परिचय पा लो तुम्हरी पसन्द वाले या तुमसे खेलनेवाले किसी एक खेल के मुख्य नियमों को लिखो।

_____

_____

_____

_____

_____

सामूहिक खेलों से तुम्हें होनेवाले लाभ वया हैं? दोस्तों मे चर्चा करो।

_____

_____

_____

_____

_____

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED



पढो समझों :

समूह में खेलते समय सहयोग, मेल, दल की स्फूर्ति नियम पालन, दोस्ती, लक्ष्य पर पँहुचने का निश्चय आदि अंशो के रहने के कारण-सामाजिक संबंध खूब गहरे होते हैं।

खेलो से हमें मनोंरजन मिलता है। इसी तरह मेले और सर्कस द्वारा भी मनोरंजन प्राप्त होता है।

मेले के बारे में तुम अब तक जान चुके हो। यहाँ सर्कस का एक चित्र है। गौर करो।



सर्कस में क्या-क्या विशेषता है? सूची लिखो।

तुम से देखे गए या सुने हुये सर्कस के बारे में 4 वाक्यों को लिखो।

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

तुम्हारे गाँव के मशहूर मेले के संबंध में बडों की सहायता लेकर चार वाक्यों को लिखो।

_____

_____

_____

_____



पढो समझों :

पहले बडेही लोकप्रिय हुए सर्कसों की संख्या आज कल कम हो रही है। इसका कारण यह है कि :

- सर्कस में जानवरों को उपयोग कर मनोरंजन देना और जानवरों को हिंसा देकर प्रशिक्षण देने में प्राणी दया संघों का विरोध है।
- लोगों को टि.वि. कमप्यूटर, मोबाइल आदि से आसानी से मनोरंजन मिलने के कारण, सर्कस, के प्रति दिलचस्पी कम हो रही है।
- निपुण कलाकारों का अभाव है और उनकी कला को उचित प्रोत्साहन मिलना कम हो रहा है।
- सर्कस के कलाकारों को आवशयक सुविधाओं का निर्वहण अधिक मंहगा हो गया है।

क्या तुम जानते हो ?

- प्रकाश पडुकोने राष्ट्रीय चांपियनशिप को जीतने वाले, अत्यन्त छोटी उम्र के बैड़मिन्टन के खिलाडी है।
- खो-खो खेल के लिए रानी लक्ष्मी प्रशस्ती पाने वाली पहली महिला है कर्नाटक की उषा अनंत रामन।
- युवजन सेवा और क्रीडा विभाग की ओर से पूरे राज्य भर में कई क्रीडा शालायें और क्रीडा निलय कार्य निर्वहण कर रहे हैं।
- 1981 में बेगंलूरु में चल रहे वीनस, सर्कस में आग लगकर 92 लोग मर गये। करीब 300 लोग घायल हुये हैं।
- पहले, सर्कस में जानवरों का प्रदर्शन और चमत्कार बहुत बडा आकर्षण बन गया था। लेकिन जानवरो के प्रशिक्षण के लिए हिंसा मार्ग को अपनाने के कारण ही सर्कस में जानवरो के उपयोग पर निषेध करने की कोशिशें चल रही है।

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

2012 ओलंपिक क्रीडा कूट में भारत को पदक दिलाने वाले खिलाड़ी।



गगन नारंग



विजय कुमार



सुशील कुमार



योगीश्वर दत्त



मेरी कोम



गिरीश



सैना नेहवाल

©KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

- इनके भाग लिये हुये खेलों को चित्र के नीचे दिये हुए चौक में भरो।
- 2016 के ओलम्पिक्स में पदक हासिल करनेवाले खिलाडियों के बारे में जानकारी इकठ्ठी करो। (शिक्षा एवं बडों की सहायता लो)

पाठ 22

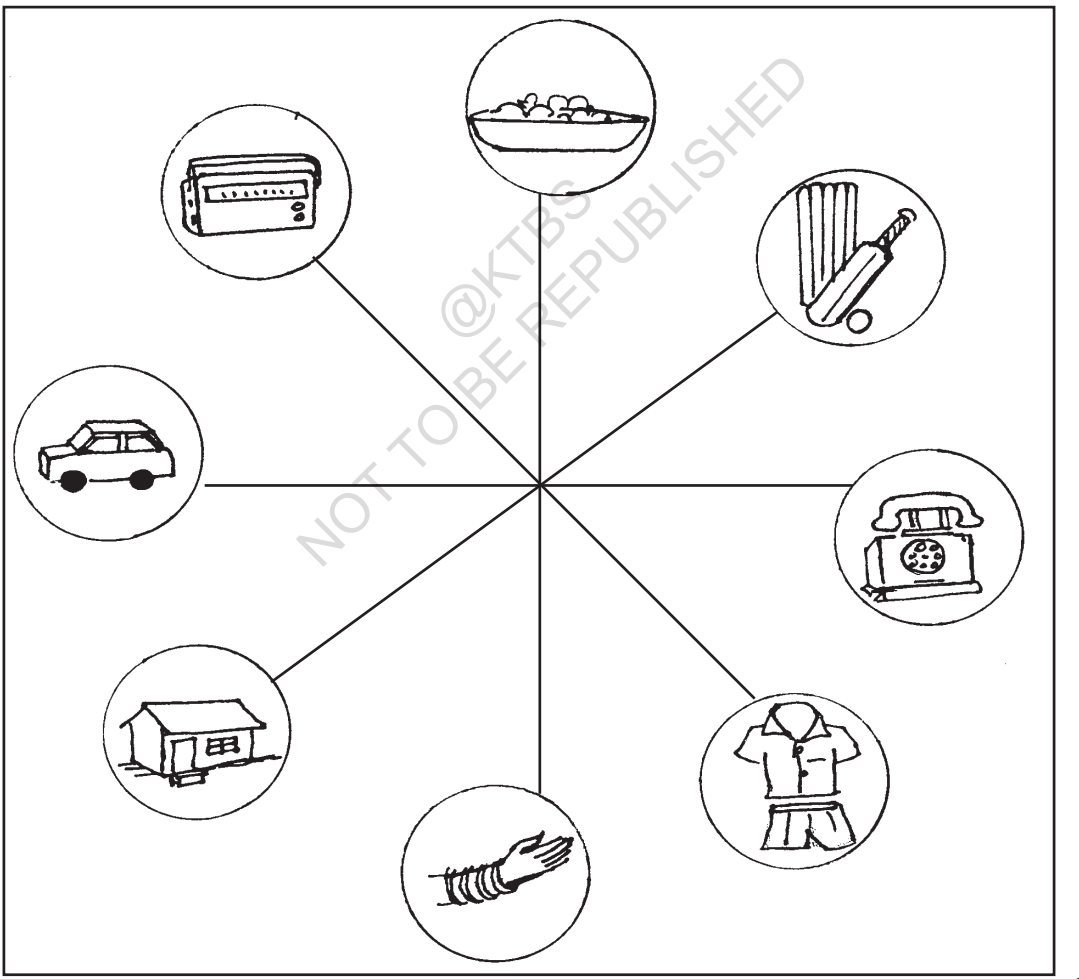
सुविधाएँ-सुधार

K5P3Y2

इस पाठ के अध्ययन के बाद तुम,

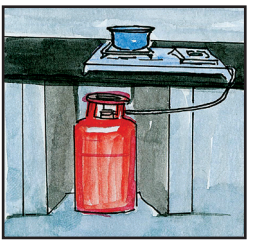
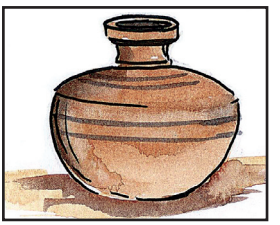
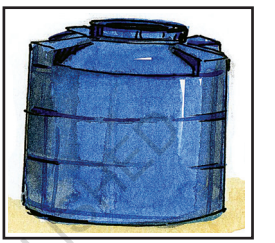
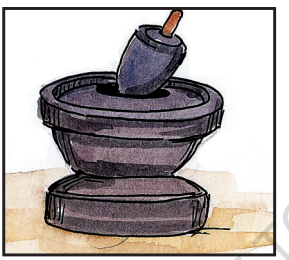
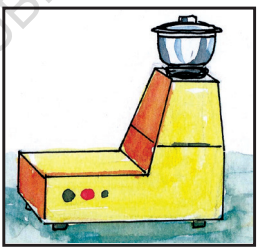
- स्वाभाविक संपन्मूल और सृजनशीलता ने मानव की जिन्दगी को कैसे बदला है इसका उदाहरणो सहित विवरण दोगे।

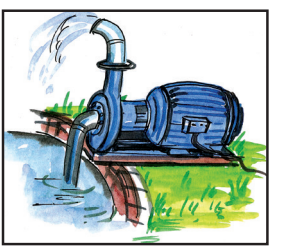
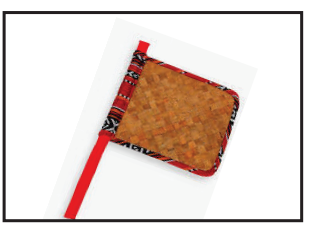
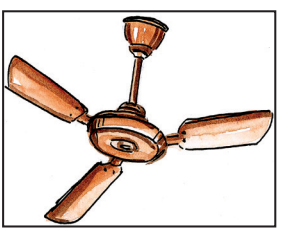
नीचे के चित्रों में तुम्हे जीने के लिए जो अत्यावश्यक है उसमे रंग भरो।



@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

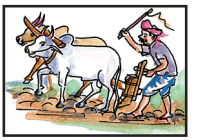
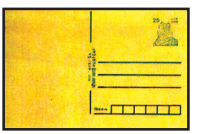
नीचे के चित्रों को ध्यान दो। मनुष्य के उपयोग करनेवाली वस्तुओं में उन दिनों में और आज रहनेवालों में अंतर पर ध्यान दो।

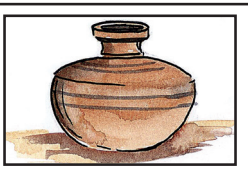




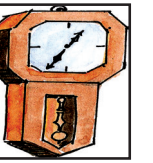
@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

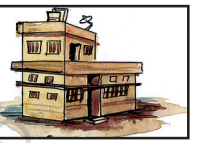
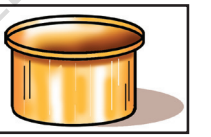
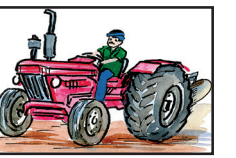
उन दिनों में और आज रहनेवालों में अंतर पर ध्यान दो।

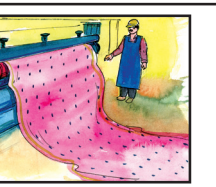








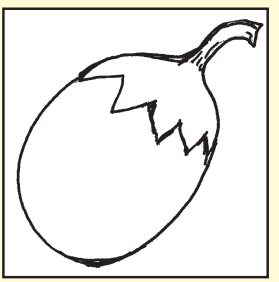
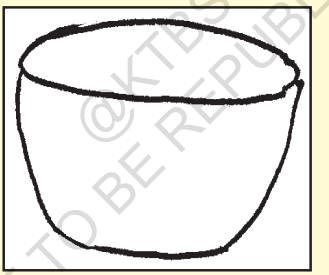
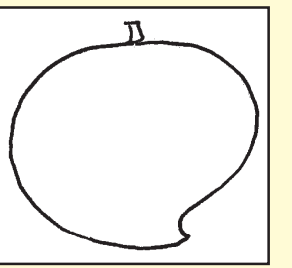
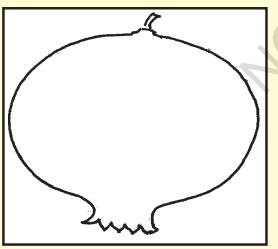
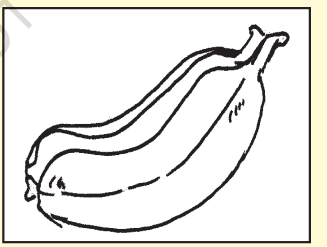
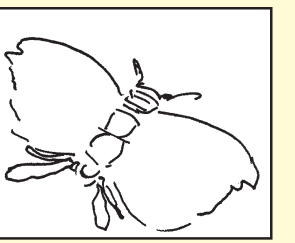
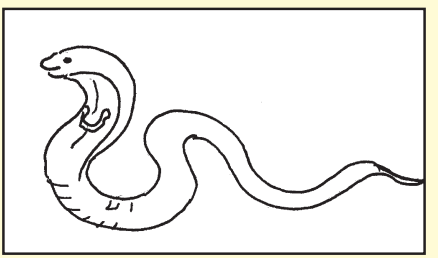
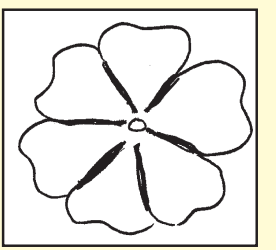
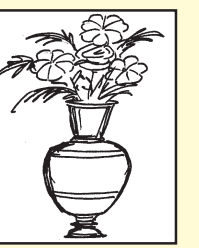
@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पढो समझो :

मानव ने विज्ञान, तकनीकी सहायता से कई स्वाभाविक संपन्मूलों को उपयोग करना सीखा है। उदाहरण के लिए यंत्रों, बर्तनों, घर बनाने में लोहे का उपयोग, ट्रैक्टरों, लॉरियों मोटर, पानी उठानेवाला पंप आदि को पेट्रोल, डीजलों का उपयोग, पेडो के गूदों से कागज बनाना आदि। इसके साथ अपनी सृजनशीलता, को भी मिलाकर विविध नमूनो के यंत्र, कपडे, बनाने-कागज इसी तरह विविध उत्पन्नो को बनाना सीखे है। इस तरह संपन्मूल और सृजनशीलता से जीवन को सुखमय बना रहे हैं।

करो-देखो :

1) बडों की सहायता से मिट्टी के विविध नमूनों को नीचे की तरह बनाओ और रंग भरी।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

2) विविध दाने, मणि, रंगीन कागज, कपडे के टुकडों को सजावट के उपयोग से तुम्हें मालूम रहने वाले नमूनों को रचो।

(चित्र बधाईपत्र सजावट की वस्तुयें)।

@KTBS
NOT TO BE REPUBLISHED

3) तुम से देखे हुऐ विविध तरह के घडो के चित्रों को लिखो। इनको किन कामों के लिए उपयोग करते हैं इस चित्र के नीचे सूचित करो।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

क्या तुम जानते हो ?

- कहते है कि चार्ल्स ब्याबेज नामक ब्रिटिश गणित विज्ञानी ने 1837 में पहला गणक यंत्र बनाया। इसलिये कई लोग इन्हें 'गणक पितामह' भी कहते हैं।
- धातुएँ कठोर होती हैं, चमकीली होती हैं। उनको अलग-अलग आकार दे सकते हैं। खूब साफ कर सकते हैं। यह आतिश्योक्ति नहीं है कि धातु बिना कोई सा भी काम नहीं हो सकता।
- कहते है कि अमरीका के लिबर्टि प्रतिमा को 3,50,000 किग्राँ के ताँबे से बनाया गया है।
- रसोई बनाने का अभ्यास कम हुआ है। लेकिन मटका तैयारी के सृजन शीलता से फूल दानियाँ, सुराहियाँ आदि सजावट की वस्तुओं से घर को सजाते हैं इनके निर्माण के विधानों में सुधार हुआ है।

पाठ 23

पोशाक-पहनावा

Q3Z1B2

इस पाठ के अध्ययन के बाद तुम,

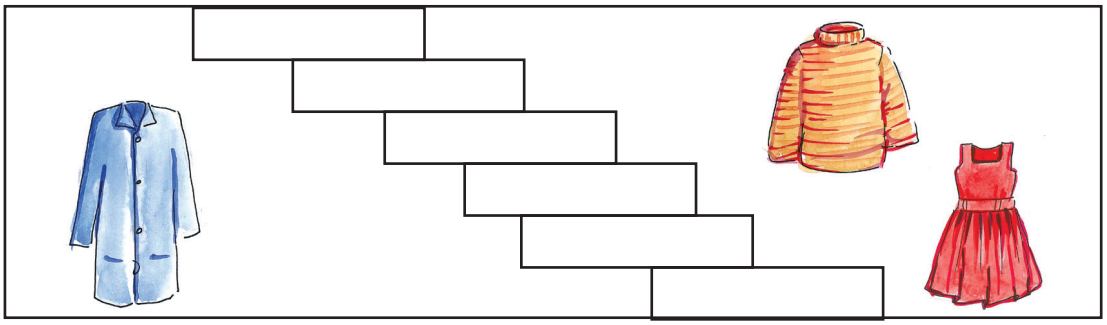
- पोशाक या पहनावे में विविधता, कपडों की तैयारी में उपयोग करनेवाले रंग और विन्यास के बारे में बहस करोगे।
- विविध जिलों में उपयोग करनेवाले विविध पोशाकों का ज्ञान होगा।
- कपडों के टुकडों को संग्रहित करके पोशाकों के नमूनों को बनाओगे।

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

भूख मिटाने आहार
रक्षण के लिए डेरा
पोशाक है देह का आधार
गर्मी में पतले-पतले पोशाक
बारिश को रोकने नरम पोशाक
ठंड, सरदी में गरम पोशाक
तरह-तरह रंग के तरह- तरह के पोशाक
तरह-तरह सूत के तरह तरह के पोशाक
अवश्य, अवश्य, होना है सब को पोशाक।



तुम तो अब जानते हो कि कपडे हमें आवश्यक हैं।
तुमसे पहने जानेवाले विविध पोशाको के नामों को लिखो।



करो-देखो

विविध धागों से बनाये हुये कपडों के टुकडो को इकट्ठा करके चिपकाओ। धागे के प्रकार का नाम दो।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पहेली-बूझो :

मुझे बकरी के ऊन से बनाते है। सर्दी के मौसम में मुझे पहनते हैं। तो मै कौन हूँ ?

गर्मी के मौसम में मेरे कपडे चाहते है। किसान मुझे उपजाते हैं। तो मै कौन हूँ?

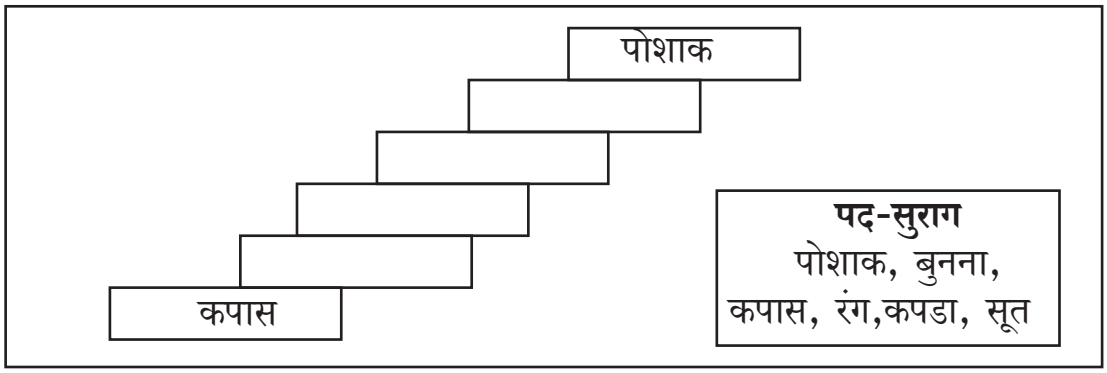
करो-देखो :

1. कपडों के टुकडों को लेकर विविध नमूने के छोटे पोशाकों को बनाकर यहाँ चिपकाओ ।

2. विविध नमूने के पोशाकों के चित्रों को इकट्ठा करके चिपकाओ।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

तुम्हारी पोशाक तैयार होने के विधान का पता लगाकर यहाँ लिखो । मदद के लिये दिये हुये सुराग का पद देखो ।



नीचे के चित्र में तुम्हारे गाँव के लोग सामान्यत: पहनने के पोशाकों (✓) का संकेत डालो



हमारे राज्य के विभिन्न भागों में लोगों द्वारा पहने जानेवाले पोशाकों के बारे मे स्कूल मे दोस्तों और शिक्षकों से चर्चा करो।

© KSEEB NOT TO BE REPUBLISHED

अलग अलग मौसमों में पहने जानेवाले कपडों को यहाँ लिखो।

वर्षा कामौसम : _____ _____ _____

सर्दी का मौसम: _____ _____ _____

गर्मी का मौसम: _____ _____ _____

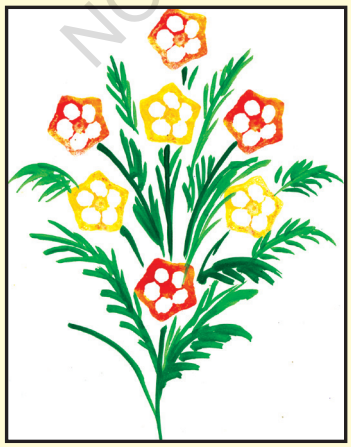
सीकर पहननेवाले पोशाको के तीन उदाहरण दो।

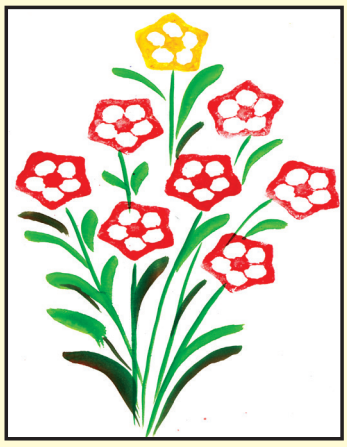
बिना सिये उपयोग करनेवाले पोशाको के तीन उदाहरण दो।

करो-देखो :

1) तुम्हे आसानी से मिलनेवाले पत्ते, तरकारी, फूल, कच्चे फल के उपयोग से (पत्ते, फूल, चुकन्दर, हल्दी) रंग तैयार करो,

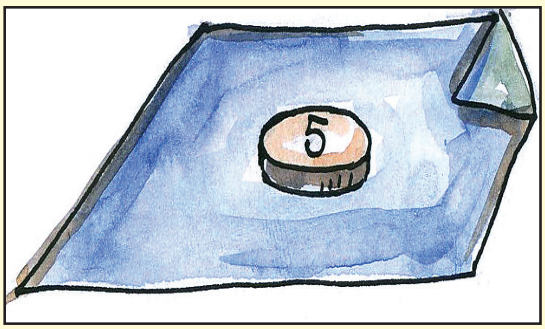
2) सफेद कपडे के टुकडे पर रंग डालो' विन्यास के लिए काटा हुआ भिंडी, मूली, फूल गोभी के टुकडे आदि को उपयोग कर सकते हो।

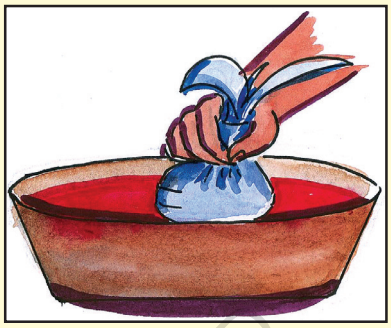




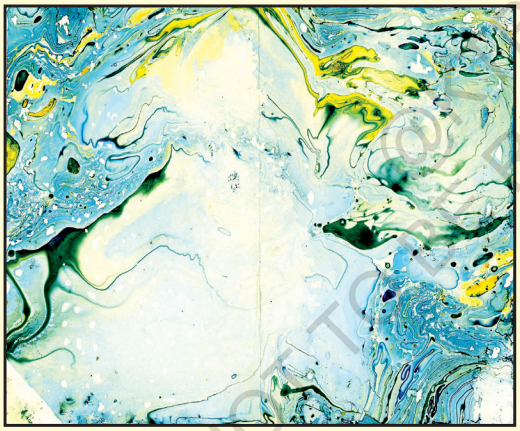
@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

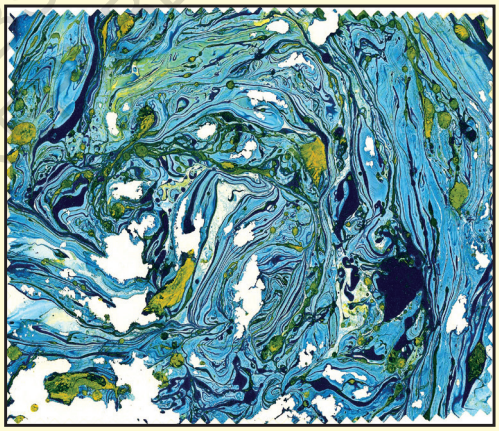
3) एक सिक्के को एक कपडे में खूब कस कर बांधकर रंगीन पानी में डुबाओ। सूखने के बाद खोल कर देखो।





4) चार-पाँच प्रकार के रंगो को पानी में डालो। कपडा या कागज को डुबाकर फौरन निकालो। उसे सावधानी से लटकाओ। सूखने के बाद देखो।





5) सफेद कागज पर रंग से लगा तुम्हारा अंगूठा दबाकर चित्र छापने की कोशिश करो।



NOT TO BE REPUBLISHED

6) रंग लगे हुए रुई से चित्रों को बनाओ ।





क्या तुम्हे मालूम है?

- प्रारंभ में कपडे चर्म, ऊन, पत्ते, घास से बनाये गये थे।
- पौधे के रेशों से बने रेशम, नैलान तक कई तरह के सूत हैं। इनसे कई तरह के कपडे बनते है। इन कपडो को पौधो से और रासायनिकों से बनाए गए रंग को उपयोग कर सुन्दर बनाया जाता है। मनुष्यों की सृजनशीलता का यह एक उदाहरण है।
- कर्नाटक ही भारत का अत्यन्त अधिक रेशम उत्पादन का राज्य है। भारत में उत्पन्न होनेवाला रेशम का 70% भाग कर्नाटक राज्य से आता है। बेंगलूरु ग्रामांतर जिला, रामनगर जिला, मैसूरु जिले में अधिक रेशम उत्पन्न होता है।
- एक तरह के कीट का स्त्राव रेशम है। इस तरह का स्त्राव उत्पन्न करनेवाले कीट ही रेशम के कीडे हैं।
- बागलकोट जिला मे इळकल नामक गाँव में तैयार होनेवाली साडियाँ ''इलकल साडी'' नाम से प्रसिद्ध है।
- कर्नाटक राज्य की सांप्रदायिक पोशाक
  पुरूषों की पोशाक : धोती, कुर्ता, उत्तरीय
  स्त्रियों की पोशाक : साडी, चोली या लहँगा, घाघरा चोली

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

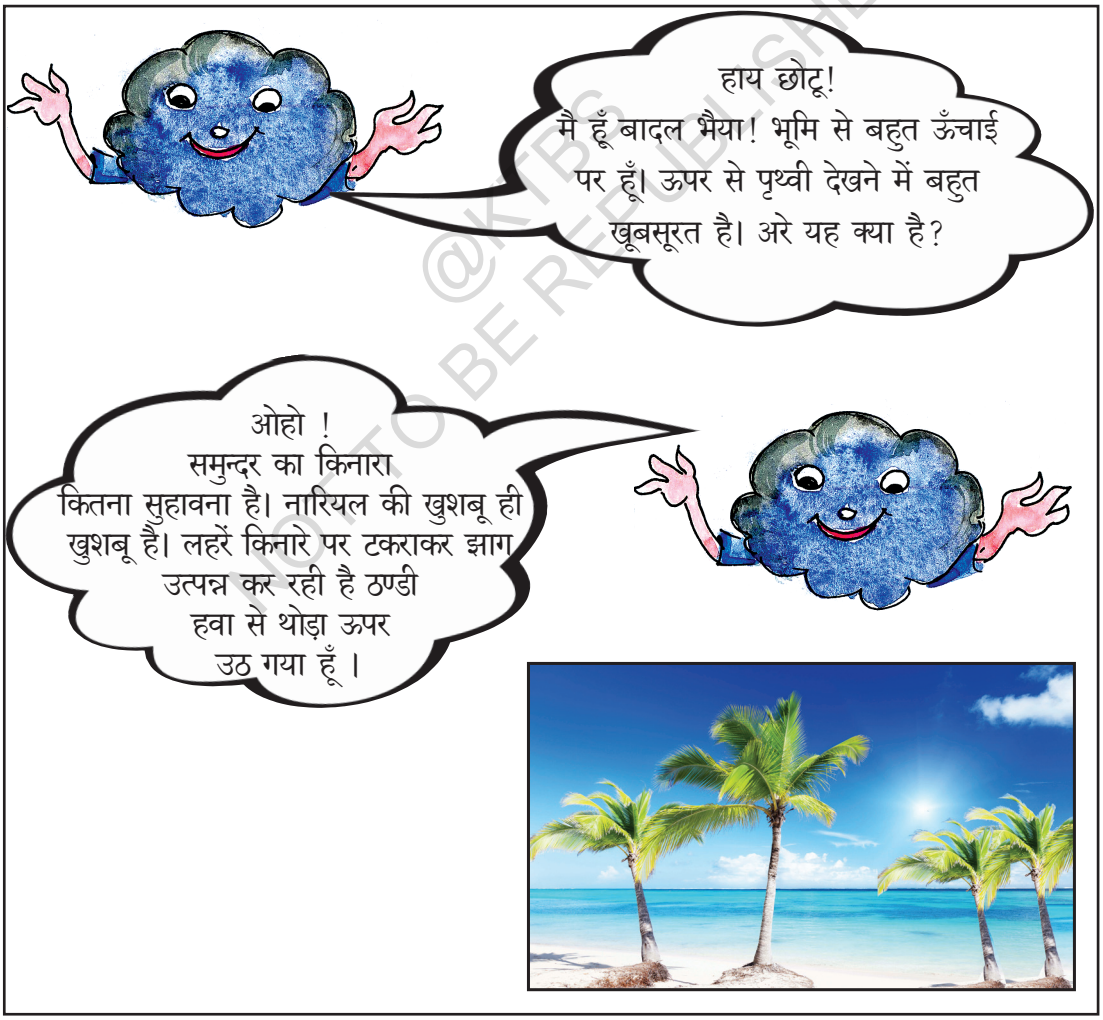
पाठ 24

बादल भैया का संचार

U7H4M2

इस पाठ के अध्ययन के बाद तुम,

- प्रशंसा करोगे कि पृथ्वी सबका, आवास स्थान है। यहाँ जीवित रहने के लिए आवश्यक वायु, मिट्टी, पानी है।
- वायु और मिट्टी के महत्व को पहचानोगे।
- अलग-अलग काल के बदलावों को पहचानोगे।



@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

अरे । मै यहाँ कैसे आया? हाय!, कितनी धूप है। जिधर देखो, उधर बालू की राशी दीख रही है। हवा जोर से बह रही है। पेड ही नहीं दिखते । छोटू अब मै रेगिस्तान में हूँ ।

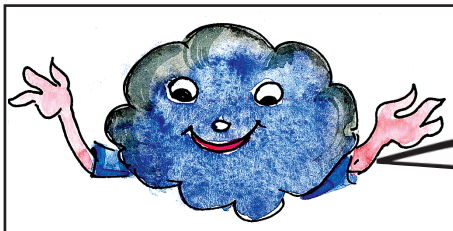




घूमते थोडा ऊपरीभाग को आ गया हूँ। हाय यह प्रदेश कितना विशाल है। समतल है। यहाँ बहनेवाली नदियों ने मिट्टी को बहाकर प्रदेश को उपजाऊ बनाया है। यह मैदान है। इस प्रदेश में हरियाली ही हरियाली हैं। यह कृषि के लिए योग्य जगह है। अरे! हवा तेज हो गई है ।



© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED



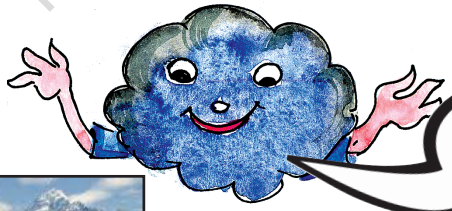
समुद्र स्तर से मैं और भी ऊपर उठरहा हूँ। छोटू, मेरी अब रहनेवाली जगह को ''समतल चौरस भूमी'' कहते है यह विशाल, समतलीय प्रदेश है यह समुद्रस्तर से थोडा ऊँचा है।



मै अभी ऊपर चढा हूँ। वहाँ दीखनेवाली ही पहाडो की पक्तियाँ है। वह समुद्री स्तर से 600 फुट ऊँचाई पर है। छोटू, यहाँ देखो । इस पहाड के ढालू प्रदेश से नदी बहती है। थोडा नीचे देखो। नदी बहती हुई तराई में (घाटी) मिली है। कितनी छोटी दिखती है!







दो पहाडों के बीच रहनेवाली बहुत छोटी सी जगह ही तराई है। कभी कभी यहाँ नदियों को बहते देख सकते है।



©KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

अरे यहाँ जलपात भी है।

पहाडों के छोर के ऊपर से पानी धम् से गिरने पर जलपात का सृजन होता है। आहा! देखो यहाँ! कितना सुन्दर है, यह दृश्य। तुम्हे ज्ञात रहनेवाले जलपात का नाम बताओ।



हाय ! हवा का कितना जोर है? पहाड, तराई, जलपात से अब मैं और ऊपर चढ रहा हूँ अरे हवा की मार, बढ गई है।

हाय ! पर्वत के पास आ गया हूँ

पर्वत के माने क्या है यही सोच रहे हो न ? वह एक बडा पहाड है । समुद्री सतह से हजारों मीटर ऊँचे रहते है। कुछ जगह उन पर हिम छाया रहता है।



@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED



पहाड	पर्वत

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED



बादल भैया का संचार पढा न? बादल भैया द्वारा बताए गए समुद्र तट रेगिस्तान, मैदान, समतल चौरस भूमि, पर्वत, पहाड, हमारी पृथ्वी पर दिखाई देनेवाले सुन्दर भू-स्वरुप है। इनमें से कुछ तुम्हारे आसपास होंगे। पहचानो।

इनका उत्तर दो (बादल भैया की मदद लो),

1. पहाड समुद्री सतह से कितनी ऊँचाई पर है?

2. पहाडों के बीच में दिखाई देनेवाले गहरे प्रदेश को किस नाम से पुकारते हैं?

3. हमारे राज्य के तीन मशहूर जलपातों का नाम बताओ।
(शिक्षक/बडों की मदद लो)

4. उपजाऊ मिट्टी कहाँ दिखती है?

तुम से सीखे हुये विविध भू स्वरुपों मे मानव, जानवर, पक्षी, कीडे, विविध तरह के पौधे आदि हैं। इन्हे पृथ्वी में रहने के लिए वायु, पानी और मिट्टी अत्यावश्यक हैं।

वायु

पृथ्वी पर रहनेवाले जीवियों को साँस लेने के लिए वायु चाहिये यह तुम्हें मालूम है। चित्र पर ध्यान दो। कारखाने, वाहन धुंऐ को बाहर छोड रहे हैं। ये धुआँ वायु में मिलकर उसे गन्दा करते है, मलिन हुये वायु को साँस लेने पर रोग आते हैं, इसे समझो।



वायु को मलिन होने से कैसे रोका जाए? चार वाक्यों में लिखो।
(शिक्षकों/बडों की मदद लो)

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पानी

जीवियों, के लिए पानी बहुत जरुरी है। पानी और उसके महत्व के बारे में तुम समझ चुके हो।



चित्र देखो : कारखानों का गन्दा पानी, गटर कापानी पानी के मूल में मिलते हैं। कुछ लोग अपने वाहनों को पानी में ही धो रहे है कुछ कपडे धो रहे हैं। बर्तन माँज रहे हैं। इससे पानी गन्दा होता है। गन्दा पानी पीने योग्य नहीं रहता।

पानी गन्दा बनने से रोकने के लिए तुम क्या करोगे यहाँ लिखो।

_____

_____

_____

मिट्टी

जीवियों के जीने के लिए मिट्टी बहुत जरूरी है। पौधे उगाने, घर बनाने, ईंट बनाने आदि कामों को मिट्टी चाहिए। प्लास्टिक वस्तुओं का अति उपयोग, खेतों को अधिक रासायनिक खादों को डालना, आदि कामों से आज मिट्टी मलिन हो रही है। मिट्टी की मलिनता को कैसे रोकोगे! दो वाक्य लिखो।

_____

_____

तुम्हारे आसपास की वायु, पानी, और मिट्टी मलिन न होने दो। सावधानी, रखो। इनको संरक्षित करने के क्रमों को समझो। इन क्रमों को अनुसरण कर इन अमूल्य भूसंपन्मूलों की रक्षा करें क्योंकि हम और अन्य जीवि जीवित रहने के लिए ये बहुत ही आवश्यक है।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

वातावरण और जलवायु

नीचे के चित्रों को देखो। सही वाक्यों को चित्रों से मिलाइये।

अ	आ
	हवा का बहना
	धूप तेज है।
	बादल छाए है।
	बरसात हो रही है।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

ऊपरी चित्रों की घटनाएँ प्रतिदिन हवा में बदलावों को दर्शाती। इसे वातावरण कहते हैं। इसके बारे में पिछली कक्षा मे सीखे हुये अंशों को याद करो।



पढो समझो :

एक ही दिन में अथवा दिन-ब-दिन वातावरण बदलता रहता है। एक प्रदेश के वातावरण को लगभग तीस से पैतीस सालों तक परिशीलन करते हैं। इस लंबे काल का वातावरण का योग है जलवायु ।

जलवायु और जन जीवन में संबंध है। लोगों की पोशाक, पहनावा, घर बनाने का तरीका, कारखाने, उगनेवाली फसलें सभी उस प्रदेश की जलवायु पर अवलंबित हैं। उदाहरण के लिए अत्यधिक वर्षा होने वाले प्रदेशों मे ढालू घर दिखाई पडते हैं। बहुत धूप कम वर्षा वाले प्रदेश में ज्वार, रागी जैसे फसलों को अधिक उपजाते है।

वातावरण और जलवायु, इन दोनों के अन्तर को यहाँ लिखो ।

वातावरण	जलवायु

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

अप्रैल- मई महीनों में तुम्हारे स्कूल में गर्मी की छुट्टी रहती है। उन दिनों तुम्हारे गाँव का वातावरण कैसा रहता है? गर्मी की छुट्टी के बाद तुम्हारा स्कूल फिर आरंभ होने पर वातावरण कैसा रहता है? वातावतण के बदलाव से काल या मौसम बनते हैं। तीन कालों को सामान्यतः पहचान सकते है।

1) ग्रीष्म काल
2) वर्षा काल
3) शीत काल

यहाँ कुछ घटनाएँ दी गयी है। वे किस काल से संबंधित हैं? लिखिये ।

क्र.सं.	घटना	संबंधित काल
1	ठंडे पानी में नहाना ।	
2	ऊनी पोशाकों को पहनकर गर्मी महसूस करना ।	
3	पंखे की हवा में बैठने की इच्छा करना ।	
4	वर्षाकोट (रेनकोट) पहनकर घूमना ।	
5	पेड से पत्तों का गिरना ।	
6	छातों का उपयोग करना ।	

गर्मी के मौसम में धूप अधिक है। तुम्हारे पहनने के कपडों में लेने के आहार में बदलाव रहता है। ध्यान दो।

गर्मी के मौसम में तुम कैसा आहार लोगे? लिखो।

गर्मी के मौसम में कैसे कपडे पहनोगे?



वर्षा काल में हर जगह पानी। लोग छाते को पकडकर घूमते हैं। वर्षाकाल के वातावरण पर ध्यान दो । जब तब आसमान में प्रकाशित बिजली को तुमने देखा है। बिजली आने के कुछ क्षण बाद गरजने की आवाज सुनाई देती है। ऐसा क्यों? शिक्षकों से पूछो और समझो।

@KVBS NOT TO BE REPUBLISHED

चित्र पर ध्यान दो। इसका नाम यहाँ। लिखो।



इन्द्र धनुष कब दिखाई देता है?

इन्द्र धनुष में कितने रंग है पहचान सकते हो? उनकानाम यहाँ लिखो।

ठंड अधिक रहनेवाला काल ही शीत काल है। इस काल में लोग गरम कपडे पहनते है। पेड शीत काल में पत्तों को (गिराते हैं) ।

शीतकाल में तुम से खानेवाले आहार पदार्थों की सूची बनाओ।

©KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

गर्मी का मौसम, वर्षा का मौसम और सर्दी का मौसम जन जीवन में बदलाव लाते हैं। पहनावों फसलों और आहार सेवन पर असर करते हैं। इसे समझो ।

क्या ये तुम्हे मालूम है :

- हिमालय पर्वत की श्रेणी 2400 कि मी लंबी है। यह हिम से ढका हुआ है।
- घाटियाँ V अथवा U आकार मे रहती हैं।
- तिब्बत समतल चौरस भूमी को दुनिया की ऊपरी छत कहते हैं।
- नदियों से बहाकर लाई मिट्टी को उपजाऊ मिट्टी कहते है।
- भारत के पश्चिम में 'थार' रेगिस्तान है।
- मुळय्यनगिरि, कर्नाटक का बडा ऊंचा शिखर है। यह समुद्री सतह से लगभग 1925 कि.मी ऊँचाई पर है।
- मलिन वायु के सेवन से क्षय, दमा जैसे रोग आते हैं।
- भारत के आंरभिक वर्षा की वायु और अंतिम वर्षा की वायु बारिश लाते हैं।
- काश्मीर उत्तर भारत का एक घाटी प्रदेश है।
- इन्द्र धनुष में सात रंग है। सात रंग स्पष्ट रूप से क्यों नहीं दीखते हैं।
- इन्द्र धनुष के, रंगो को याद रखने के लिए उपयोगित अंग्रेजी भाषा का शब्द VIBGYOR के अक्षर रंग के पहले अक्षर को सूचित करते हैं।

V	-	Violet	-	जामुनी
I	-	Indigo	-	जंबकी
B	-	Blue	-	नीला
G	-	Green	-	हरा
Y	-	Yellow	-	पीला
O	-	Orange	-	नारंगी
R	-	Red	-	लाल

NOT TO BE REPUBLISHED © KTBS

पाठ 25

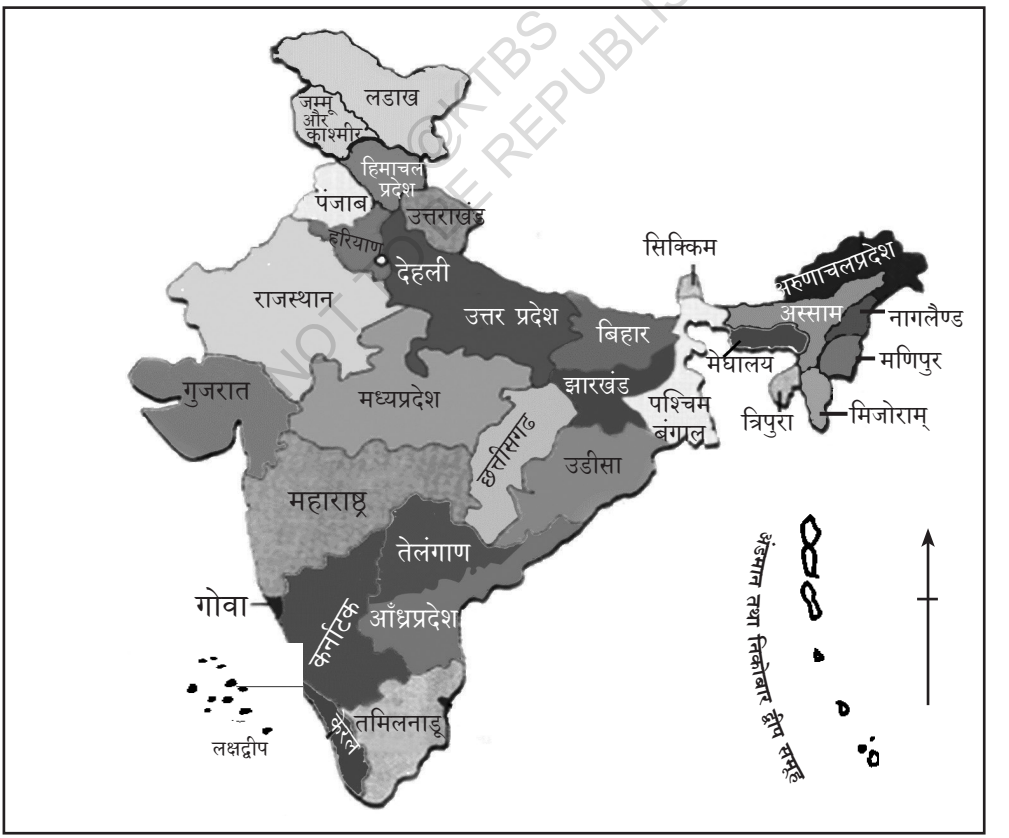
हमारा राज्य - हमारा गौरव

G4Y3H9

इस पाठ के अध्ययन के बाद तुम,

- भारत के नक्शे में कर्नाटक को पहचानोगे। कर्नाटक राज्य के भौतिक विभागों का परिचय प्राप्त करोगे।
- राज्य के ऐतिहासिक स्थलों में मशहूर प्रकृति धामों को पहचानोगे। उनका महत्व जानकर सुरक्षित रखने के मनोभाव को बढाओगे।

तुम्हें मालूम है कि कई जिले मिलकर एक राज्य बनता है। इस तरह के कई राज्य एकत्र होकर बना हुआ भू-प्रदेश ही देश है। नीचे के नक्शे को गौर से देखो। यह हमारे भारत देश का नक्शा है।



© KSEEB SCERT TBS NOT TO BE REPUBLISHED

भारत में रहनेवाले राज्यों के नाम यहाँ लिखो। नक्शे की मदद लो।

क्र.स	राज्य के नाम

@KTBS
NOT TO BE REPUBLISHED

- भारत में रहनेवाले कुल राज्यों की संख्या _____
- भारत के नक्शे में कर्नाटक रहने की दिशा _____

कर्नाटक हमारा राज्य है। तुम्हे मालूम है कि यहाँ 31 जिले हैं। पिछली कक्षा में तुम्हारे जिले और आस-पास के जिलों का परिचय पा लिया है।

रमेश ने कर्नाटक के पड़ोसी राज्यो और उनके रहने की दिशाओं को लिखा है। गलत हो तो सही उत्तर लिखो :

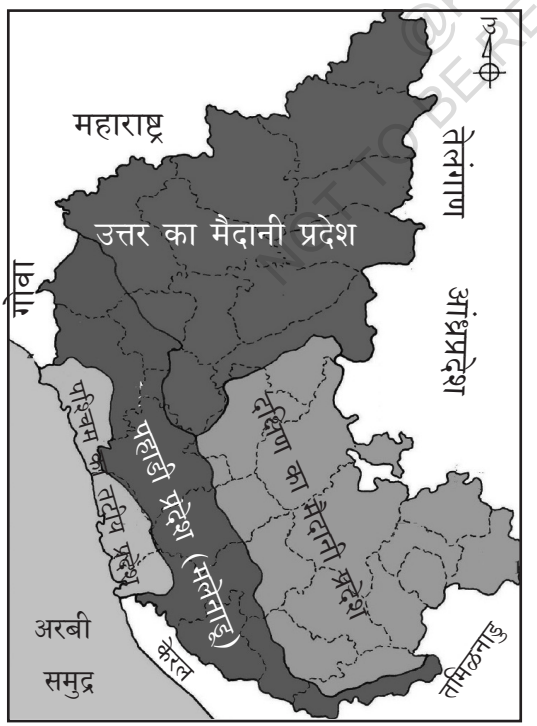
पूर्व - महाराष्ट्र : _____

पश्चिम - आँध्रप्रदेश और तेलंगाण : _____

दक्षिण - केरल और तमिलनाडू : _____

उत्तर - गोवा : _____

राज्य में विशेष भू लक्षण हैं। उदाहरण के लिए पहाड, तटीय प्रदेश विविध भूलक्षणों के बारे में तुम्हें अब तक मालूम है। भू लक्षण और जलवायु के आधार पर हमारे राज्य में चार मुख्य स्वाभाविक विभागों को पहचाना गया है।



पश्चिम का तटीय प्रदेश (करावली प्रदेश)

पहाडी प्रदेश (मलेनाडू)

उत्तर का मैदानी प्रदेश

दक्षिण का मैदानी प्रदेश

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

चार स्वाभाविक या प्राकृतिक विभागों मे आनेवाले जिलों के नामों को नीचे लिखो।

1. पश्चिमी तटीय प्रदेश के जिले :

_____

2. पहाडी (मलेनाडू) प्रदेश के जिले :

_____

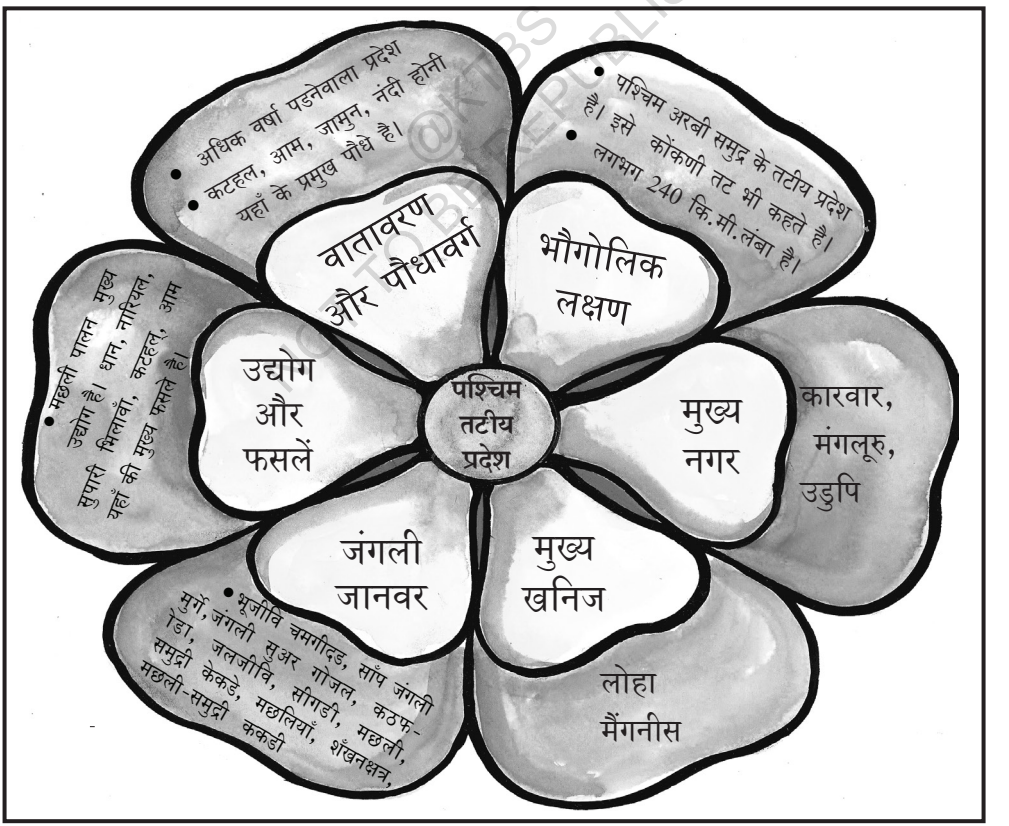
3. उत्तर मैदान प्रदेश के जिले :

_____

4. दक्षिण मैदानी प्रद्रेश के जिले :

_____

चित्र पर ध्यान दो। पश्चिमी तटीय प्रदेश के बारे में समझो।



© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

इनके उत्तर दो :

पश्चिमी तटीय प्रदेश का एक और नाम क्या है?

_____

पश्चिमी तटीय प्रदेश के लोगों का प्रमुख उद्योग क्या है?

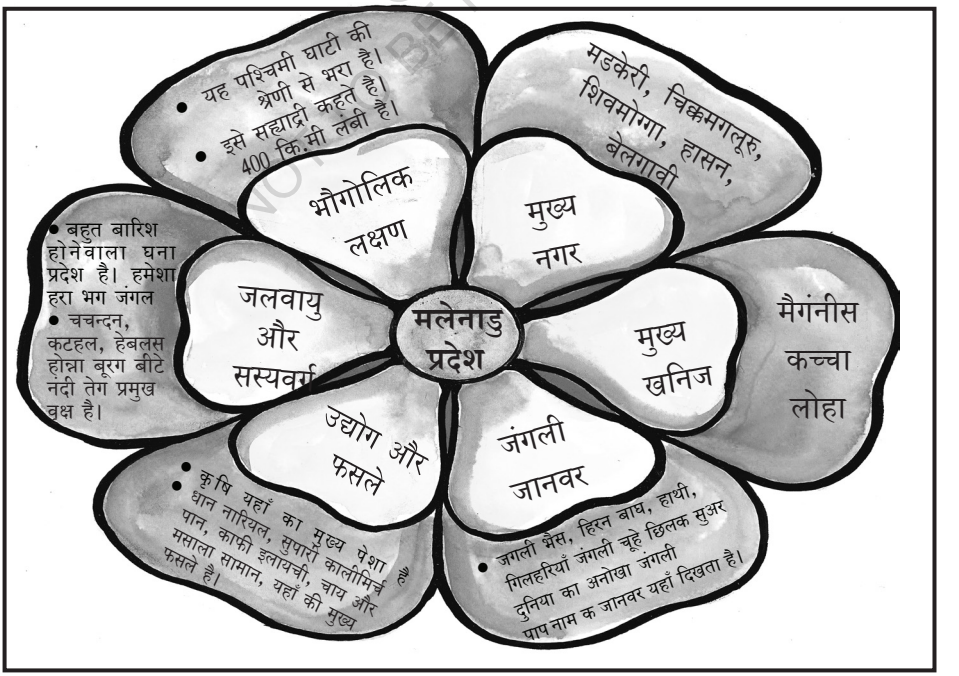
_____

जोडिये :

अ	आ
गोजल (जंगली मुर्गा)	मुख्य नगर
शार्क	खनिज
सुपारी	पक्षी
लोहा	फसल
कारवार	समुद्री जीवी

© KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

पहाडी प्रदेश के बारे मे इस चित्र मे दिया, हुआ है। गौर करो :



पहाडी प्रदेशों के बारे में मालूम है न? इनको जोडो ।

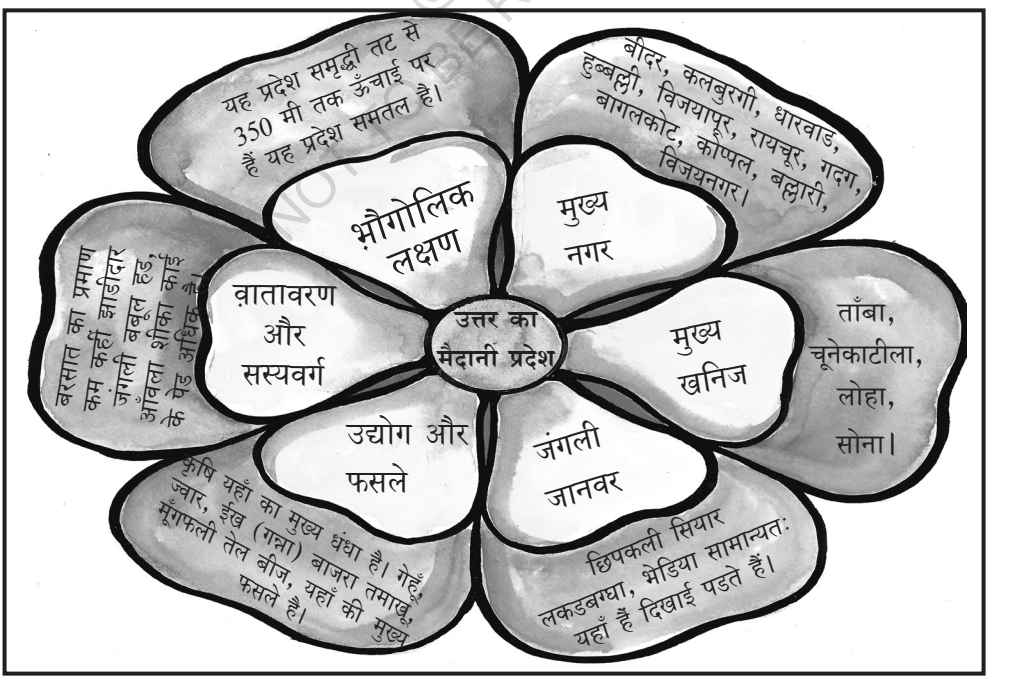
अ	आ
सह्याद्रि	अनोखा जानवर
मैंगनीस	राज्य वृक्ष
श्रीगन्ध (चन्दन)	खनिज
जंगली पापा	पहाडों की श्रेणी

पहाडी प्रदेश के संबंधित इन नीचेवाले विषयों की सूची बनाओ ।

प्रमुख वृक्ष	फसले	मुख्य नगर

NOT TO BE REPUBLISHED

हमारे राज्य के और एक प्राकृतिक विभाग ही उत्तर का मैदानी प्रदेश है। नीचे के चित्र मे उसके बारे में दिये है। ध्मान दो।



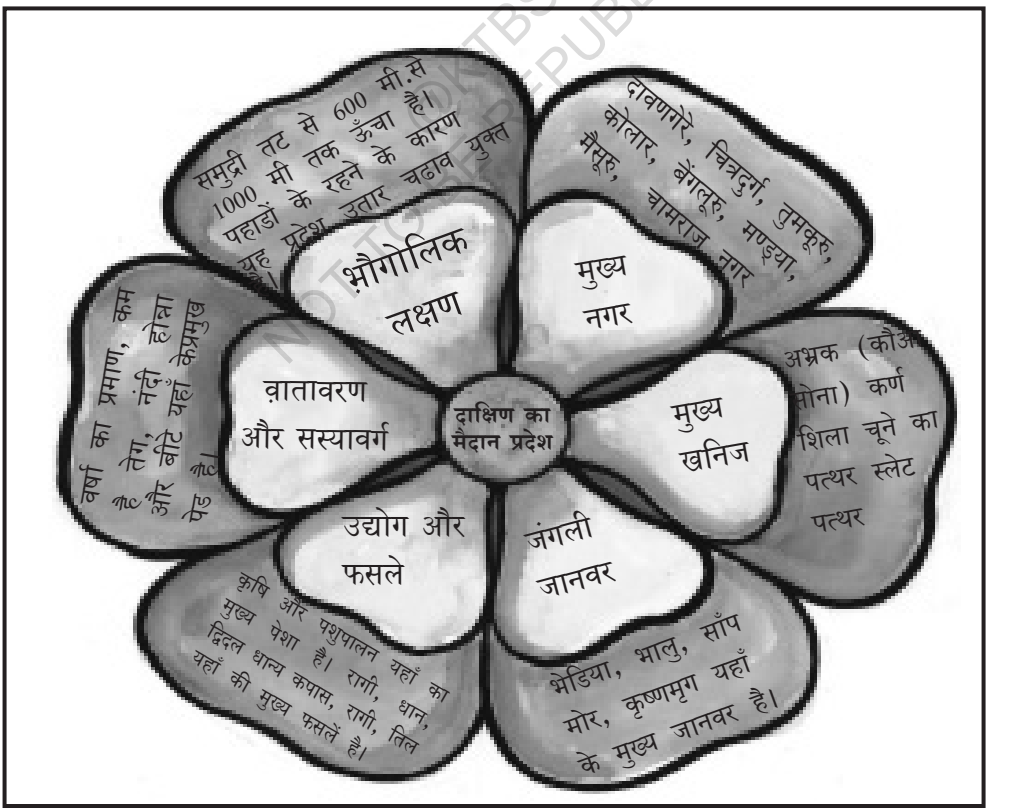
उत्तरी मैदानो में कैसे जंगल पाऐ जाते हैं?

उत्तर मैदानी प्रदेश के लोगों के मुख्य पेशे कौन से है?

उत्तर मैदानी प्रदेश से संबन्धित इन नीचे दिए हुए की सूची बनाओ ।

मुख्य खनिज	
मुख्य जानवर	
मुख्य फसलें	

दक्षिणी मैदानी प्रदेश हमारे राज्य का चौथा प्राकृतिक विभाग है।
इस नीचे के चित्र को देखो :



NOT TO BE REPUBLISHED © KSTBS

दक्षिणी मैदानी प्रदेश से संबंधित कथनो मे कौन सा गलत है पता लगाओ और गलती को सही करके लिखो ।

- दक्षिण का मैदानी प्रदेश समतल है। _____
- यहाँ का प्रमुख जानवर भेडिया है। _____
- मछली- पकडना यहाँ के लोगो का मुख्य पेशा है । _____
- अभ्रक, इस प्रदेश का एक मुख्य खनिज है। _____

करो-देखो :

दक्षिणी मैदानी प्रदेश में दिखाई देनेवाले प्रमुख पेड और जंगली जानवरों के चित्र संग्रह कर के चित्र कोश की रचना करो।

© KSEEB NOT TO BE REPUBLISHED

नदियाँ

हमारे राज्य में कई नदियाँ है। उनमें कुछ पश्चिम की ओर होकर और कुछ पूर्व की ओर होकर बहती हैं। यहाँ नीचे हमारे राज्य में बहनेवाली नादियों की सूची दीगई है। शिक्षकों की मदद से इन्हे पश्चिम अभिमुख और पूर्व अभिमुख नादियों में विभाजित करो।

कृष्ण, घटप्रभा, शरावती, काली मलप्रभा, भीमा, अघनाशिनी, तुंग भद्रा, कावेरी, नेत्रावाती, हेमावती, कबिनि.

पश्चिम की ओर होकर बहनेवाली नदियाँ	पूर्व की ओर होकर बहनेवाली नदियाँ

शिक्षक / बडों की मदद से इन्हें समझो

- कर्नाटक की जीव नदी _____
- कर्नाटक की अत्यन्त लम्बी नदी _____

प्रेक्षणीय - स्थल

हमारे राज्य में कई प्रेक्षणीय स्थल हैं । इसी कारण अनेक राज्यों से हर साल अनेक यात्री यहाँ आते हैं । उनमें कुछ प्रमुख नगर, ऐतिहासिक प्रकृतिधाम स्थल के बारे में विवरण दिया हुआ है। ध्यान दो।

बेंगलूरु :

बेंगलूरु हमारे राज्य की राजधानी विधानसौध, विकाससौध, उच्च न्यायालय, विश्वेश्वरय्या दस्तकारी और संग्रहालय, वेंकटप्प कलाशाला, टिप्पू का गर्मी का राजमहल, जवाहरलाल नेहरु तारालय लाल-बाग, और कब्बन पार्क यहाँ के प्रमुख आकर्षण है।



मैसूरु :

दीपों से सजा हुआ राज-महल चामुण्डी, पहाड, मृगालय मैसूर में देखे जानेबाले मशहूर स्थल हैं। मैसूरु का दशहरा उत्सव जगत प्रसिद्ध है।



तुम्हारे जिले के प्रमुख नगरों के बारे में चार पक्तियाँ लिखो।

_____

_____

_____

_____

हमारे राज्य के इतिहास से संबंधित महत्वपूर्ण स्थान ही ऐतिहसिक स्थान हैं।

हम्पी:

चित्र देखो यह हमारे राज्य के ऐतिहासिक स्थल हँपी में रहनेवाला पत्थर का रथ है हँपी विजयनगर जिले में है। हँपी, पहले विजयनगर साम्राज्य की राजधानी थी यहाँ की शिल्पकला बहुत ही मशहूर है। विरूपाक्ष देवालय,कमल महल हजार रामस्वामी देवालय, इस तरह के कई मन्दिरों की शिल्पकला देखने में सुन्दर है।



NOT TO BE REPUBLISHED

नीचे की पट्टी में ऐतिहासिक स्थानों और उनके जिलों को दिया गया है। इनको जोडकर लिखो।

	अ	आ
1)	हलेबीडु	बागलकोटे
2)	बादामी	विजयापूर
3)	गोल-गुंबज	हासन
4)	पत्थर का किला	दक्षिण कन्नड
5)	सुलतान बत्तेरी	चित्रदुर्गा

तुम्हारे गाँव के किले या किसी ऐतिहासिक स्थल के बारे में चार वाक्यों को लिखो।

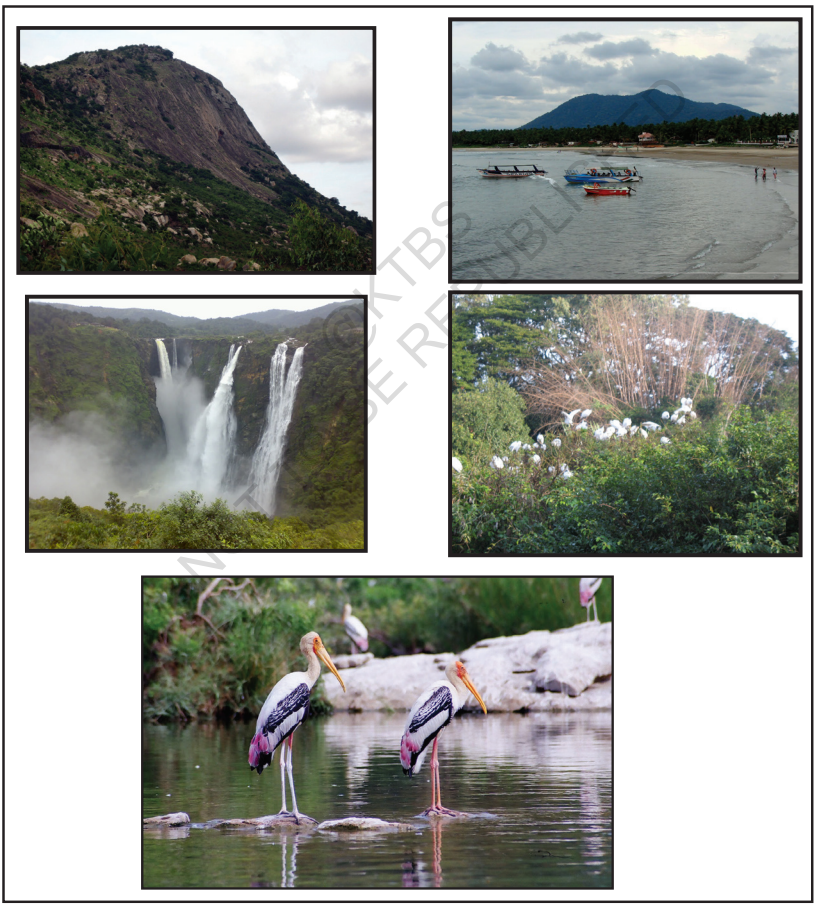
_____

_____

_____

_____

हमारे राज्य के इतिहास से संबंधित महत्वपूर्ण स्थान ही ऐतिहसिक स्थान हैं।



नन्दी पहाड, बाबा बुडनगिरि (इनाम दत्तात्रेय पित), मुल्लय्यन गिरि, केम्मण्णु गुण्डी, कुदुरेमुख, कोडचाद्रि ये प्रमुख गिरिधाम हैं।

पढो समझो :

- गिरिधामों की ठंडी हवा और सौंदर्य के लिए लोग यहाँ आते हैं।
- उल्लाला , मल्पे, कारवार में सुन्दर समुद्र के तट हैं। शिवमोग्गा जिले के जोग जलपात मण्डया जिला के शिवनसमुद्र गोकाक जलपातों के दृश्य मनमोहक है।
- बंडीपुर, नागरहोळे के अभयारण्य, रंगन तिट्टू, कोक्करे बेल्लूर के पक्षिधाम, लोगों के प्रमुख आकर्षण बने हैं। बल्लारी जिला के दरोजी का भालूधाम प्रसिद्ध है।

तुम्हे मालूम रहनेवाले हमारे राज्य के प्रेक्षणीय स्थानों की सूची के प्रकार अलग करके लिखो।

जलपात	पक्षीधाम	अभयारण्य	समुद्री तट

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED

ऐतिहासिक स्थल प्रकृतिधाम, हमारे राज्य के गौरव के संकेत हैं। उनका संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है। नीचे के वाक्यों में कौन सा सही है, कौन सा गलत? पहचानो।

क्र.स.	कथन	सही / गलत
1.	ऐतिहासिक स्मारकों पर पत्थर से खोद कर या रंगो से नाम लिखना.	
2.	पक्षीधाम में मौन रहना	
3.	ऐतिहासिक स्थल प्रकृतिधाम को आनेवाले यात्रियों को तकलीफ देना	
4.	प्रकृतिधाम के जानवरो का शिकार करना	
5.	ऐतिहासिक स्थलों के पास हर जगह मलमूत्र विसर्जन करना!	

ऐतिहासिक स्थल और निसर्ग धामों की रक्षा के लिए तुम क्या करनेवाले हो इनके बारे में तुम्हारे दोस्तों के साथ चर्चा करो।

करो-देखो :

पात्रिकाओं में आनेवाले प्रकृतिधामों के चित्र संग्रहित करके यहाँ चिपकाओ।

@KTBS
NOT TO BE REPUBLISHED

तुम्हारी पसंद के किसी एक प्रेक्षणीय स्थल के बारे में चार पंक्तियाँ लिखो।

_____

_____

_____

_____

हमारा राज्य कई विशेषताओं से भरा है, और हमारे देश का प्रमुख राज्य बना है। तुम्हें गर्व रहे कि इस तरह का बहुमूल्य और सुन्दर राज्य मेरा है।

क्या तुम जानते हो ?

- सन् 2014 में आन्ध्रप्रदेश राज्य को **आन्ध्रप्रदेश** और **तेलंगाण** के रूप में दो भागों में विभाजित किया गया है।
- सन् 2019 में जम्मू और काश्मीर राज्य को **जम्मू तथा काश्मीर** एवं **लडाख** नामक दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित किया गया है।
- कावेरी नदी कोडगू जिला के ब्रह्मगिरि पहाड के तलकावेरी मे जन्म लेती है।
- बेंगलूरु सूचना तंत्रज्ञान के लिए मशहूर है। इसलिये इसे **सिलिकान सिटि** कहते हैं।
- संपूर्ण ऐशिया खण्ड में सर्वप्रथम 1902 में मण्डया जिला के शिवनसमुद्र में जलविद्युत उत्पादन शुरू हुआ।
- भारत के बहुत ही ऊँचाईवाला **जोग-जलपात** कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में है।
- पश्चिमी तटीय प्रदेश में दिखाई पड़नेवाला **सेन्टमेरीस** अथवा **थोन्सेबार द्वीप** अष्टभुजाकृति आकार के जैसे शिलाओं से युक्त हैं।
- **हंपी एवं पट्टदकल्लु** ये विश्व परंपरा सूची में कर्नाटक की ऐतिहासिक जगहें हैं ।

@KTBS NOT TO BE REPUBLISHED